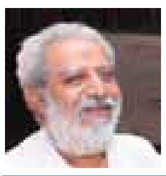
04 - कुत्ता आतंकवाद

05 - जनहित याचिका बुनियादी मानवाधिकारों की संरक्षक

A Daily News Magazine
इंदौर
सोमवार, 25 अगस्त, 2025

06 - 50 लाख की लागत से बना गैस चलित शवदाह गृह, लेकिन शुरू नहीं

07 - गाँव-गाँव पहुँचे राजस्व मंत्री श्री वर्मा, सुनी जनता की आवाज

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 315, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

पहली बात

इंटरनेशनल 'मोगेम्बो' के लिए कूटनीति के मायने सिर्फ धंधा

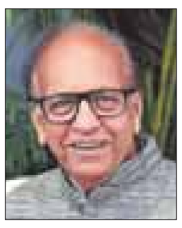

उमेश त्रिवेदी
प्रधान संपादक

ऑपरेशन-सिंदूर के बाद अमेरिका-पाकिस्तान के गहराते व्यवसायिक रिश्तों के उस पार पसरे अंधेरे में भारत के अंतरराष्ट्रीय रिश्तों की कूटनीतिक राहों पर अंदेशों का आकार बढ़ता जा रहा है। संतुलन की तलाश में भारत रूस की ओर मुखातिब है, और कथित 'माय-फ्रेण्ड' राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से दोस्ती नाकारा सिद्ध होने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अब चीन के राष्ट्रपति से मिलने वाले हैं, जिन्हे कभी उन्होंने साबरमती नदी के किनारे गुजराती झूलों पर झूलना झुलाया था। हिन्दी फिल्म 'मिस्टर इंडिया'(1987) के किरदार 'मोगेम्बो' के रूप में इंटरनेशनल डिप्लोमेसी के स्क्रीन पर बेकाबू राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की 'क्लाउन-एंट्री' के बाद दुनिया की कूटनीतिक परिस्थितियां बिल्कुल बदल गई हैं।

मिस्टर इंडिया का 'मोगेम्बो' तो कभी-कभी खुश भी हो जाता था, लेकिन ट्रम्प नामक 'अंतरराष्ट्रीय मोगेम्बो' कभी भी किसी से खुश नहीं होता है। उसकी ख्वाहिशें बेपनाह हैं। वो सबको डरा रहा है। खुदा की तरह फरमान जारी कर रहा है। उसके सपने बेकाबू हैं। पहले वह स्वतंत्र देश कनाडा को अपना राज्य बनाना चाहता था। उसकी आंखों में इजराइल की बमबारी से तबाह बीस लाख फिलिस्तीनियों को निष्कासित कर गाजा पट्टी को अंतरराष्ट्रीय मनोरम स्थल या खूबसूरत विशाल रिसॉर्ट में तब्दील करने के सपने भी तैर रहे हैं। उसे यूक्रेन की आधी से ज्यादा खनिज संपदा और युद्ध में सहायता का मुआवजा भी चाहिए। वह चाहता है कि रूस से समझौता करके यूक्रेन अपने देश का एक हिस्सा रूस को दे दे। ईरान में भी तेल-भंडारों पर नियंत्रण के लिए उसने उसे युद्ध में झोंक दिया था। भारत से वह चाहता है कि करोड़ों किसानों को पेट पर पट्टी बांधकर वो उनके खलिहानों को उसके हवाले कर दे। भारत इसके लिए तैयार नहीं है। इसलिए वो भारत से गुस्सा है।

ताजा सौदा ट्रम्प ने पाकिस्तान से किया है, जिसमें वह तेल उत्खनन के लिए सिंध, बलूचिस्तान और अरब सागर में अपना प्रभुत्व स्थापित करना चाहता है। मोगेम्बो-ट्रम्प के इस तेल-दांव में पाकिस्तान के आर्मी चीफ फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को तीन लाख करोड़ रूपये मिलेंगे। उन्हें भरोसा है कि इस क्षेत्र में 50 अरब बैरल तेल निकलेगा, जिसकी कीमत 40 लाख करोड़ रूपए आंकी गई है। अमेरिका की जिन 6 कंपनियों ने इसके उत्खनन के लिए टेंडर भरे हैं, उनमें ट्रम्प के दामाद जैरेड कुश्नर का सबसे बड़ा किरदार है। इसी डील के चलते जैरेड कुश्नर ने लाहौर में अपना ऑयल-ऑफिस खोल लिया है। इसीलिए वो पाकिस्तान से खुश है कि उसने सारा तेल उसके हवाले कर दिया।

ट्रम्प का मौजूदा रूख भारत के साथ बेपटरी कूटनीतिक रिश्तों में सुधार की संभावनाओं में सबसे बड़ी बाधा है। ट्रम्प के निजी व्यवसायिक हित दोनों की भू-राजनैतिक डिप्लोमैसी के रास्तों में बैरियर बनकर अड़े हैं। ट्रम्प ने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय वार्ताओं के पांच दौर पूरे हो जाने के बावजूद भारत से होने वाले सभी किस्म के आयात पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाकर बातचीत को छिन्न-भिन्न कर दिया है, जबकि छठे दौर की वार्ताएं अगस्त के अंतिम सप्ताह मे होने वाली थीं। उल्लेखनीय है कि ट्रम्प ने हाल ही मे घोषणा की थी कि भारत पर टैरिफ की दर पचास प्रतिशत की जा रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से दोस्ताना रिश्तों का दावा करने वाले ट्रम्प की भाषा भी बेलगाम है और कूटनीतिक मर्यादाओं का हनन करती है। भारत की कूटनीतिक दृढ़ता चिढ़े ट्रम्प ने अमेरिकी सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रूथ पर भारत को 'शुल्क सम्राट' निरूपित किया है। भारत की अर्थ-व्यवस्था को मृत घोषित करते हुए ट्रम्प ने यह भी कहा कि भारत की व्यापार प्रणाली घृणित है। ट्रम्प ने टैरिफ में बढ़ोतरी को रूस से तेल-व्यापार करने की सजा निरूपति किया है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के लिए सजा देने का यह ऐलान घोर अपमानजनक और असहनीय है।

ट्रम्प की अशोभनीय भाषा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए भी सियासी शर्मिन्दगी का सबब है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में अपनी प्रभावशीलता दिखाने के लिए वो ट्रम्प की दोस्ती का भरपूर इस्तेमाल करते रहे हैं। ट्रम्प की दोस्ती खरी सिद्ध नहीं हो सकी है। इस परिप्रेक्ष्य में अमेरिका से कूटनीतिक रिश्तों में अतिरिक्त सावधानी जरूरी है।

अमेरिका के आगे झुकने के नतीजे भारत भुगत चुका है। ट्रम्प-सरकार के पिछले कार्यकाल का किस्सा अभी भी ताजा है। अमेरिका दबाव के चलते ईरानी तेल आयात पूरी तरह बंद करने की वजह से भारत ने ऐतिहासिक रूप से करीबी देश से रिश्ते खराब कर लिए थे। इससे ऊर्जा-हानि के अतिरिक्त मध्य एशिया, रूस और यूरोप में वैकल्पिक व्यापार मार्ग विकसित करने की कोशिशों पर भी विपरीत असर पड़ा था।

'न्यूज-वीक' के राजनीतिक संपादक कार्लो वर्सानों लिखते हैं कि- 'ट्रम्प ने अस्पष्ट कारणों से नई दिल्ली और मोदी सरकार के प्रति विशेष रूप से आक्रामक रूख अपनाया है, जबकि वह और लोकलुभावन मोदी, दोनों कई मायनों में एक जैसे हैं।' बहरहाल, कार्लो वर्सानो कुछ भी कहें, लेकिन पाकिस्तान के साथ इस सौदे में ट्रम्प के दामाद जैरेड कुश्नर की भूमिका ने खुलासा कर दिया है कि राष्ट्रपति के रूप में वो सिर्फ अपने व्यवसायिक हितों को साध रहे हैं। भारत और पाकिस्तान को एक ही तराजू पर तौलने का सबब भी यही है ।

अमेरिका के साथ भारत के रिश्तों का पेंडुलम कभी भी स्थिर नहीं रहा है। लेकिन पिछले ढाई दशको में अमेरिका के साथ भारत के रिश्तों में तब्दीली महसूस होने लगी थी। चीन के साथ संतुलन की तलाश में अमेरिका ने भारत को एक क्षेत्रीय शक्ति के रूप मे मान्यता देना शुरू कर दिया था। लेकिन 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद अमरिकी रूख में परिवर्तन चौंकाने वाला है कि उसने पाकिस्तान को भारत के समकक्ष खड़ा कर दिया। पाकिस्तान के लिए परिस्थितियां लाभदायक हैं, क्योंकि चीन से पाकिस्तान का जुड़ाव भी गहरा है। अब भारत को नए सिरे से अपनी विदेश नीति को पिरोना होगा। हम यह कह सकते हैं कि मोगेम्बो-ट्रम्प ने विदेश नीति के मामले में भारत को पुनर्विचार पर बाध्य कर दिया है। मोगेम्बो-ट्रम्प के वार से आहत भारत के विदेश-नीति प्रवर्तकों को यह समझना होगा कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में गले मिलने वाले नेताओं के हाथों में खंजर नजर नहीं आते हैं।

यूरोपीय देशों ने भी रोकी अमेरिका की डाकसेवा

ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस और इटली शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के बाद कई यूरोपीय देशों ने भी अमेरिका के लिए डाक सेवाएं सस्पेंड कर दी हैं। इनमें भारत, इटली, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड, ऑस्ट्रिया समेत कई देश शामिल हैं। सर्विस सस्पेंड होने की वजह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के नए टैरिफ नियम हैं। दरअसल, ट्रम्प प्रशासन ने इसी

साल 30 जुलाई को आदेश जारी किया था, जिसमें 800 डॉलर (70 हजार रुपए) तक के सामान पर मिलने वाली टैरिफ छूट को खत्म कर दिया गया है। यह छूट 29 अगस्त से खत्म हो जाएगी। यूरोपियन डाक संगठन पोस्ट यूरोप और दूसरे डाक विभागों के मुताबिक नए नियमों पर अब तक साफ जानकारी नहीं दी गई है।

अब भारत 100 देशों को एक्सपोर्ट करेगा 'ईवी'

● मोदी बोले-दुनिया को धीमी विकास दर से निकालेगा बाहर

पीएम ने कहा-हमारे पास तेज धारा को मोड़ने की है ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत अब दुनिया को धीमी विकास दर से बाहर निकालने की स्थिति में है। उन्होंने कहा कि हम ठहरे हुए पानी में कंकड़ फेंकने वाले लोग नहीं हैं। हम तेज बहती धारा को भी मोड़ने की ताकत रखते हैं। भारत अब समय की धारा को भी दिशा देने की क्षमता रखता है। पीएम ने कहा- भारत अब एक बड़ा माइलस्टोन हासिल करने जा रहा है। देश जल्द ही 100 देशों को इलेक्ट्रिक वाहन निर्यात करेगा। भारत की प्रगति का आधार रिसर्च और इनोवेशन है।

उन्होंने कहा बाहर (विदेश) से खरीदी गई रिसर्च सिर्फ जीने भर के लिए काफी है, लेकिन भारत की बड़ी आकांक्षाओं को पूरा नहीं कर सकती। केंद्र सरकार ने रिसर्च को बढ़ावा देने के लिए लगातार नीतियां और नए प्लेटफॉर्म बनाए हैं। भारत अब सिर्फ गाड़ियां ही नहीं, बल्कि मेट्रो कोच, रेल कोच और लोकोमोटिव (रेल इंजन) भी विदेश भेज रहा है। उन्होंने यह बात ईटी वर्ल्ड लीडर्स फोरम 2025 में ये बात कही। 2014 से पहले भारत का ऑटोमोबाइल निर्यात करीब 50,000 करोड़ सालाना था। आज यह बढ़कर 1.2

लाख करोड़ सालाना हो गया है। जून 2025 में 22 लाख नई नौकरियां ईवी डेटा में दर्ज हुईं, जो अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। भारत की महंगाई दर 2017 के बाद सबसे निचले स्तर पर है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार अब तक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। 2014 में भारत की सोलर पैनल निर्माण क्षमता सिर्फ 2.5 गीगावॉट थी। अब यह बढ़कर 100 गीगावॉट हो गई है। दिल्ली एयरपोर्ट अब दुनिया के उन छह एयरपोर्ट्स की लिस्ट में आ गया है, जहां हर साल 100 मिलियन (10 करोड़) से ज्यादा यात्री आते-जाते हैं। हाल ही में एजेंसी ने भारत की क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड किया है।

भाजपा वाले मार देंगे, जेल हम लोग जाएंगे

लखनऊ (एजेंसी)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर बड़ा आरोप लगाया है। लखनऊ में रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर उन्होंने कहा- विधायक पूजा पाल को भाजपा वाले मार देंगे, जेल हम लोग जाएंगे। इसलिए जांच होनी चाहिए कि पूजा पाल को किससे खतरा है। यूपी सरकार पर भरोसा नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि मुझे समझ नहीं आता कि कोई सीएम से मिल रहा हो और उसे जान का खतरा हो। इस मामले में सपा ने गृहमंत्री को लेटर लिखा है। पूरी जांच की जानी चाहिए। पूजा पाल जितने साल तक सपा के साथ थीं, तब उन्हें कोई जान का खतरा नहीं था। दरअसल, दो दिन पहले पूजा पाल ने एक्स पर लेटर पोस्ट करके अखिलेश यादव पर आरोप लगाया था।

सुप्रभात

कभी कपड़े बदलता है
कभी लहजा बदलता है
मगर इन कोशिशों से
क्या कहीं शजरा बदलता है
तुम्हारे बाद अब जिसका भी जी
चाहे मुझे रख ले
जनाज़ा अपनी मर्ज़ी से
कहाँ काँधा बदलता है
रिहाई मिल तो जाती है
परिंदे को मगर इतनी
सफ़ाई की ग़रज़ से जब
कभी पिंजरा बदलता है
मिरी आँखों को पहली
आख़िरी हद है तिरा चेहरा
नहीं मैं वो नहीं जो रोज़
आईना बदलता है
अजब ज़िद्दी मुसव्विर है
ज़रा पहचान की ख़ातिर
मिरी तस्वीर का हर
रोज़ वो चेहरा बदलता है।

- वासिम नादिर

भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं लघु उद्योग : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

देश हित में मिलकर करेंगे काम, लोन चुकता होते ही बंधक संपत्ति मॉर्टगेज या डबल मॉर्टगेज से हो जाएगी मुक्त

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उद्योगों के हित में ही राष्ट्र का हित निहित है। लघु और कुटीर उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं। सीमित संसाधनों का समुचित उपयोग कर हम इन उद्योगों के विकास की ओर बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वतंत्रता के अमृत काल में लघु उद्योग भारती के प्रदेश कार्यालय का लोकार्पण हमारे उत्कर्ष को दर्शाता है। उद्योगों के विकास के लिए हमें पूरे देश के परिदृश्य में सोचना होगा। सभी जगह समान रूप से उद्योग लगाने होंगे, तभी संतुलित विकास हो सकेगा। देश हित में हम सब मिलजुलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि हम उद्योगों को विस्तार देने के लिए उद्योगपतियों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलेंगे। हमने समाज के सभी वर्गों का बराबर ध्यान रखा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को लघु उद्योग भारती के गोविंदपुरा औद्योगिक प्रक्षेत्र में नवनिर्मित प्रदेश कार्यालय के लोकार्पण कार्यक्रम को

संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लघु उद्योग भारती के करीब 4 करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित प्रदेश कार्यालय भवन 'उद्यम सेतु'का वैदिक मंत्रोच्चार के बीच फीता काटकर लोकार्पण किया। लोकार्पण अवसर पर लघु उद्योग भारती का द्वि-वार्षिक प्रादेशिक सम्मेलन और स्टार्टअप एवं लघु उद्यमी महाकुंभ-2025 भी आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अन्य अतिथियों के साथ लघु उद्योग भारती के नए ब्रोशर का विमोचन भी किया।

सीएम बोले- 'लाड़ली बहनों' को मिलेंगे 5 हजार, उद्योगों से जुड़ने पर अतिरिक्त मदद

भोपाल के गोविंदपुरा में लघु उद्योग भारती के प्रदेश कार्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उद्योग और रोजगार को लेकर बड़े ऐलान किए। सीएम ने कहा कि उद्योगों में काम करने वाली 'लाड़ली बहनों' को सरकार 5 हजार रुपए अतिरिक्त देगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की समृद्धि केवल इंदौर-भोपाल तक सीमित नहीं रहेगी, छोटे जिलों में भी उद्योग बढ़ाए जाएंगे। सीएम ने मॉर्टगेज ड्यूटी, फायर एनओसी और मल्टी-स्टोरी इंडस्ट्रियल प्लांट जैसी समस्याओं के समाधान की भी घोषणा की। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सर कार्यवाह कृष्णगोपाल, मंत्री विश्वास सारंग, चैतन्य कश्यप, कृष्णा गौर और लघु उद्योग भारती के पदाधिकारी और उद्यमी मौजूद थे।

भारतीय एयर डिफेंस वेपन सिस्टम का पहला टेस्ट सफल

यह सुदर्शन चक्र मिशन का एक हिस्सा, ड्रोन अटैक के खिलाफ रक्षा कवच बनेगा

चांदीपुर (एजेंसी)। भारतीय रक्षा अनुसंधान संगठन ने ओडिशा के तट पर इंटीग्रेटेड एयर डिफेंस वेपन सिस्टम का पहला टेस्ट किया है। यह एक मल्टीलेयर एयर डिफेंस सिस्टम है, जिसमें सभी स्वदेशी क्विक एक्शन सरफेस टू एयर मिसाइल, एडवांस्ड वैरी शॉर्ट एयर डिफेंस सिस्टम मिसाइलें और हाई पावर लेजर बेस्ड डायरेक्टेड एनर्जी वेपन शामिल हैं। यह परीक्षण शनिवार (23 अगस्त) को किया गया। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। उन्होंने लिखा- इस परीक्षण ने हमारे देश की मल्टी लेयर एयर डिफेंस कैपेबिलिटी बढ़ाई है। यह सिस्टम दुश्मन के हवाई खतरों के खिलाफ रीजनल डिफेंस को मजबूती देगा। यह सुदर्शन चक्र मिशन का एक हिस्सा माना जा रहा है। यह स्वॉर्म (एकसाथ छोड़े गए कई ड्रोन्स) ड्रोन अटैक के खिलाफ रक्षा कवच बनेगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त को लाल किले से दिए अपने भाषण में सुदर्शन चक्र मिशन की घोषणा की थी।

● **भारत के पास है आकाशतीर डिफेंस सिस्टम-** पंजाब के आदमपुर एयरबेस से 13 मई को पीएम मोदी ने जिस एयर डिफेंस सिस्टम की तारीफ की थी, वह भारत का आकाशतीर कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इसकी मदद से ही पाकिस्तान की ओर से आ रहे सैकड़ों ड्रोन, मिसाइल और रॉकेट को हवा में ही मार गिराया गया था। इसे भारत का आयरन डोम कहा गया है। आकाशतीर एक स्वदेशी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-पावर्ड एयर डिफेंस सिस्टम है जिसे भारतीय सेना के लिए डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन, इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गनाइजेशन और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने संयुक्त रूप से डिजाइन और डेवलप किया है। इसका काम लो-लेवल एयरस्पेस की निगरानी करना और ग्राउंड पर तैनात एयर डिफेंस वेपन सिस्टम को कंट्रोल करना है। आकाशतीर रडार, संसर और कम्युनिकेशन सिस्टम को इंटिग्रेट करके सिंगल नेटवर्क बनाता है।

उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग ने दिखाई ताकत

● दक्षिण कोरिया और अमेरिका के सैन्य अभ्यास के बीच दागी 2 नई मिसाइल

प्योंगयांग (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया और अमेरिका के वार्षिक सैन्य अभ्यास के बीच, उत्तर कोरिया ने देश की सैन्य ताकत का प्रदर्शन करते हुए हवाई हमलों को रोकने में सक्षम दो नयी मिसाइल का परीक्षण किया। देश के नेता किम जोंग उन इस परीक्षण के दौरान मौजूद रहे। उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी ने अपनी खबर में बताया कि परीक्षण ने दर्शाया कि ये मिसाइल ड्रोन और क्रूज मिसाइल के हमलों से निपटने में सक्षम हैं।

भोपाल का तापमान
अधिकतम 35 °c
न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ सोमवार, 25 अगस्त 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

टैरिफ वॉर के बीच भारत दिखा रहा गजब की डिप्लोमेसी

● राष्ट्रपति पुतिन ही नहीं, जेलेंस्की भी करेंगे इंडिया का दौरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और रूस के बीच की दोस्ती अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को नहीं भा रही रही है। रूस से तेल खरीदने के कारण उन्होंने भारत पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया है। जहां एक ओर भारत और रूस की दोस्ती जगजाहिर है। वहीं, अब यूक्रेन के साथ भी भारत के संबंध संतुलित हैं। इस बीच एक ऐसी खबर सामने आई है, जिसे जानने के बाद अमेरिका की बेचैनी बढ़ सकती है। दरअसल, इस साल के अंत में रूस के राष्ट्रपति भारत आ सकते हैं।

वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति के भी इस साल भारत आने के संकेत मिले हैं। भारत में यूक्रेन के राजदूत ने इस बात के संकेत दिए हैं। जानकारी दें कि शनिवार को भारत और यूक्रेन के रिश्तों में एक नई तस्वीर देखने को मिली है। दिल्ली स्थित कुतुब मीनार यूक्रेन के स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर यूक्रेन के राष्ट्रीय झंडे से रोशन हो गया। इसी बीच भारत में यूक्रेन के राजदूत ऑलेक्जेंडर पोलिशचुक ने समाचार एजेंसी से बात करते हुए कहा कि भारत और यूक्रेन के बीच भविष्य की राणनीतिक साझेदारी की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

यूक्रेन के राजदूत ऑलेक्जेंडर पोलिशचुक ने कहा कि पीएम मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमीर जेलेंस्की को भारत आने का न्योता दिया है और दोनों पक्ष फिलहाल तारीख तय करने पर काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति जेलेंस्की का भारत आना दोनों देशों के रिश्तों के लिए बड़ी उपलब्धि होगा। बता दें कि इसी साल के अंत में रूस के राष्ट्रपति भी भारत के दौरे पर आने वाले हैं।

इसरो ने गगनयान मिशन की तैयारी की तेज

पहला सफल एयर ड्रॉप टेस्ट किया ,पास हुआ पैराशूट सिस्टम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गगनयान मिशन के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। इसरो ने इंटीग्रेटेड एयर ड्रॉप टेस्ट (बीएएस-01) को सफलतापूर्वक पूरा किया। यह टेस्ट गगनयान मिशन के पैराशूट सिस्टम को जांचने के लिए था। इस काम में भारतीय वायु सेना, एनडीआरएफ, भारतीय नौसेना और भारतीय तट रक्षक ने इसरो की मदद की। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि गगनयान के लिए ह्यूमन रेटेड लॉन्च व्हीकल भी तैयार है। गगनयान भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन है। भारत का लक्ष्य 2035 तक अपना अंतरिक्ष स्टेशन और 2040 तक चंद्रमा पर इंसान भेजना है। इसरो ने गगनयान मिशन के लिए एक बहुत ही जरूरी टेस्ट किया है।

बहन से केक कटवाया, उसी चाकू से प्रेमी की हत्या

गुना में ऑनलाइन हथियार मंगवाया था; 8 लोगों ने गैंग बनाया और घेरकर मार डाला

गुना (नप्र)। गुना में युवक की चाकू मारकर हत्या का मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा निकला। प्रेमिका के भाई ने अपने दोस्त से ऑनलाइन चाकू मंगवाकर पहले बहन से केक कटवाया, इसके बाद उसी चाकू से बहन के प्रेमी को मार डाला। युवक की हत्या गैंग बनाकर की गई।

एसपी अंकित सोनी ने खुलासा करते हुए बताया कि 7 घंटे के अंदर ही पुलिस ने 7 आरोपियों को पकड़ लिया। मामले में सामने आया कि युवक और युवती की शादी व अन्य बातों को लेकर बातचीत होती थी। इसका पता युवती के भाई को लगा, जिसके बाद उसने दोस्तों के साथ मिलकर युवक की हत्या कर दी। हत्या करने के बाद लोग पहचान न सकें, इसलिए एक आरोपी ने अपने दोस्त के कपड़े, बाइक आदि हत्या के समय इस्तेमाल की। इस मामले में एक और बात सामने आई, जिसमें बताया गया कि युवक के एक हत्यारे की भाभी से भी संबंध रहे।

युवक का शव मिलने से शुरू हुआ मामला

गुरुवार रात करीब 9.30 बजे नानाखेड़ी मंडी में खाद वितरण केंद्र के पास एक शव मिला। शव की पहचान अनिल करोसिया (35) निवासी कर्नलगंज के रूप में हुई। उसके सिर से खून बह रहा था। उसके हाथ और पीठ पर धारदार हथियार से वार किया गया था। लोगों के बताने पर पुलिस पहुंची। शव को जिला अस्पताल भिजवाया और मौके पर जांच पड़ताल की।

इसके बाद पुलिस ने 7 घंटे के अंदर ही 7 आरोपियों को गिरफ्त में ले लिया। आरोपियों के कब्जे से घटना में इस्तेमाल दो हॉकी, एक मोबाइल, चाकू जिससे हत्या की गई और जो ऑनलाइन ऑर्डर किया गया था और आरोपियों के कपड़े भी जब्त किए।

प्रेमी जोड़े ने ट्रेन के आगे कूदकर दी जान

बैतूल का युवक, हरदा की युवती; कुछ दिन पहले ही हुई थी दोनों की शादी

बैतूल (नप्र)। बैतूल जिले के बरबतपुर रेलवे स्टेशन पर शनिवार देर रात दिल दहला देने वाला हादसा हो गया। नागपुर-इटारसी डाउन ट्रैक पर ताप्ती एक्सप्रेस के सामने कूदकर प्रेमी जोड़े ने जान दे दी। हादसा रात करीब 2 बजे हुआ। शाहपुर टीआई मुकेश ठाकुर ने बताया मृतक की पहचान गौनापुर निवासी शिवकुमार परते (20) के रूप में हुई।

युवती हरदा जिले के टिमरनी थाना क्षेत्र के बेरा गांव की रहने वाली थी। दोनों दो दिन पहले घर से भाग गए थे। युवती के परिजनों ने टिमरनी थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी।

दोनों ने इटारसी में शादी की थी और फिर गौनापुर लौट आए थे। शिवकुमार प्राइवेट नौकरी करता था। घटना वाली रात शिवकुमार की मां धार्मिक यात्रा से सलकनपुर से लौटीं। बेटे को युवती के साथ देख घर में विवाद हुआ।

युवती ने लगाई छलांग, बचाने में युवक भी कूदा- पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि रात में युवती अचानक ताप्ती एक्सप्रेस के आगे कूद गई। उसे बचाने की कोशिश में शिवकुमार भी ट्रेन की चपेट में आ गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे में दोनों के शव पटरी पर करीब 100 मीटर तक बिखर गए।

हादसे की जानकारी मिलते ही शाहपुर थाना पुलिस और रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची। शवों की शिनाख्त परिजनों की मौजूदगी में कराई गई और पोस्टमार्टम के लिए शाहपुर अस्पताल भेजा गया। पुलिस का कहना है कि यह प्रेम प्रसंग से जुड़ी आत्महत्या का मामला प्रतीत होता है, लेकिन हर एंगल से जांच की जा रही है।

अमित शाह ने दिल्ली में किया स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन

● गृहमंत्री ने कहा-भारत में एक बूंद खून बहाए बिना सत्ता परिवर्तन होता रहा है

नई दिल्ली (एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को दिल्ली विधानसभा में ऑल इंडिया स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन किया। यह कॉन्फ्रेंस दो दिन चलेगी। इसमें 29 राज्यों की विधानसभाओं के स्पीकर और छह राज्यों की विधान परिषदों के सभापति और उपसभापति शामिल हुए हैं। कॉन्फ्रेंस में अलावा राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष मीरा कुमार और कई केंद्रीय कैबिनेट मंत्री भी शामिल होंगे। दिल्ली विधानसभा स्पीकर विजेंदर गुप्ता ने बताया कि 24 अगस्त, 1925 को विट्ठलभाई पटेल सेंट्रल असेंबली के पहले भारतीय स्पीकर चुने गए थे। इसके 100 साल पूरे होने पर यह कॉन्फ्रेंस हो रही है। जब हमारा देश आजाद हुआ तो चर्चा होती थी। लोग मखौल उड़ाते थे कि देश कैसे चलाएंगे। मगर आज मैं गौरव के साथ इस ऐतिहासिक सदन में कह रहा हूं कि हमने 80 साल में

लोकतंत्र की नींव को पाताल से गहरा डालने का काम किया है। और हमने सिद्ध किया है कि भारतीय जनता की रग-रग में, भारतीय जनता के स्वभाव में लोकतंत्र है। क्योंकि, कई देश हमने देखें हैं, जिनकी शुरुआत तो लोकतांत्रिक तरीके से हुई। मगर एक दशक, दो दशक, तीन दशक, चार दशक होते होते लोकतंत्र की जगह अलग-अलग प्रकार का काम होने लगा।

अब समुद्र में और बढ़ जाएगी भारत की हुंकार

जर्मनी के साथ मिलकर बनाएगा 6 पनडुब्बियां, जल्द होगी डील

नई दिल्ली (एजेंसी)। छह महीने से अधिक समय तक अटके रहने के बाद, केंद्र सरकार ने रक्षा मंत्रालय और मझगांव डॉकयार्ड्स लिमिटेड (एमडीएल) को प्रोजेक्ट 75 इंडिया के तहत छह पनडुब्बियों के निर्माण के लिए जर्मन सहयोगी से बातचीत शुरू करने की मंजूरी दे दी है। ये पनडुब्बियां भारत में निर्मित की जाएंगी और इनमें एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (एआईपी) सिस्टम होगा। इस महत्वाकांक्षी पनडुब्बी सौदे की अनुमानित लागत 70,000 करोड़ रुपये है। रक्षा मंत्रालय ने जनवरी में सरकारी स्वामित्व वाली एमडीएल को जर्मन कंपनी थायसनक्रूप मारिन सिस्टम्स के साथ साझेदारी में इन छह पनडुब्बियों के निर्माण के लिए चुना था। रक्षा अधिकारियों ने एएनआई को बताया,केंद्र सरकार ने अब रक्षा मंत्रालय और एमडीएल को इस परियोजना के लिए बातचीत शुरू करने की अनुमति दे दी है, और यह प्रक्रिया इस महीने के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है। यह निर्णय एक उच्च-स्तरीय बैठक के बाद लिया गया, जिसमें शीर्ष रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारियों ने देश की पनडुब्बी बेड़े की भविष्य की रणनीति और रोडमैप पर चर्चा की। रक्षा मंत्रालय और भारतीय नौसेना को उम्मीद है कि अगले छह महीनों में कॉन्ट्रैक्ट की बातचीत पूरी हो जाएगी और इसके लिए अंतिम मंजूरी मिल जाएगी। इस कॉन्ट्रैक्ट के माध्यम से रक्षा मंत्रालय का लक्ष्य देश में पारंपरिक पनडुब्बियों के डिजाइन और निर्माण की स्वदेशी क्षमता विकसित करना है। सरकार पनडुब्बी निर्माण प्रक्रिया को तेज करने के तरीकों पर भी विचार कर रही है। भारतीय नौसेना प्रोजेक्ट 75 इंडिया के तहत छह एडवांस स्तर की पनडुब्बियों की खरीद करना चाहती है।

गुजरात में सीरियाई नागरिक गिरफ्तार, शरीर पर गोलियों के निशान

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात के अहमदाबाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे से पहले क्राइम ब्रांच ने शनिवार को एलिसब्रिज रीगल होटल से एक सीरियाई नागरिक को गिरफ्तार किया। उसकी पहचान 23 साल के अली मेघात अल-अजहर के रूप में की गई है। क्राइम ब्रांच के जाइंट पुलिस कमिश्नर शरद सिंघल ने बताया कि अली के पास से 3600 अमेरिकी डॉलर और 25 हजार भारतीय कैश मिला है। उसके शरीर पर गोलियों सहित चोट के कई निशान पाए गए हैं। उसके मोबाइल में गाजा में भुखमरी और वहां के लोगों पर हो रहे अत्याचार भी मिले हैं।

घरों में घुसा चंबल का पानी, बुलाई गई सेना

● राजस्थान के कोटा,बूंदी,सवाई माधोपुर और टोंक में बाढ़ ● जम्मू के आईआईईएम कैंपस में भरा पानी

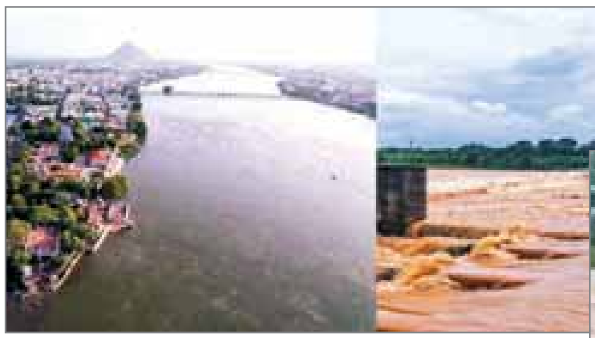

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजस्थान में लगातार बारिश होने से कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर और टोंक में बाढ़ जैसी स्थिति है। बूंदी में चंबल का पानी घरों में घुस गया। स्टेट हाईवे की सड़क उखड़ गई। राहत-बचाव के लिए सेना बुलाई गई है। एयरफोर्स का एमआई-17 हेलीकॉप्टर भी तैनात किया गया है। जम्मू-कश्मीर में तेज बारिश के चलते इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटिव मेडिसिन कैंपस परिसर में पानी भर गया। हॉस्टल की बिल्डिंग एक मंजिल तक डूब गई। 150 स्टूडेंट बिल्डिंग के ऊपरी हिस्से में फंसे हैं। एसडीआरएफ की टीम रेस्क्यू कर रही है। यूपी में भी बारिश से डैम, नदियां और नाले उफान पर हैं। अब तक 8 बांधों के गेट खोले जा चुके हैं। मिर्जापुर में अहरौरा बांध ओवरफ्लो हो गया है। इसके चलते 9 साल बाद 22 गेट खोलने पड़े। प्रदेश में 20 से ज्यादा गांवों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई। कई खेत पानी में डूब गए। मौसम विभाग के मुताबिक, रविवार को देश के 29 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में बारिश का अलर्ट है। विभाग ने राजस्थान में रेड, उत्तराखंड-मध्य प्रदेश समेत 6 राज्यों में ऑरेंज और यूपी-बिहार समेत 22 राज्यों में यलो अलर्ट जारी किया है। मौसम केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया- जो साइक्लोनिक सर्कुलेशन पिछले 48 घंटे से मध्य प्रदेश-राजस्थान की सीमा पर रुका था, वह थोड़ा आगे बढ़कर दक्षिण-पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान के ऊपर आ गया है। मानसून ट्रफ लाइन शुक्रवार को गंगानगर, चूरू, ग्वालियर (एमपी), सतना (एमपी), डालटनगंज (झारखंड) से होकर बंगाल की खाड़ी में बने लो-प्रेशर सिस्टम तक गुजर रही है। इस सिस्टम के कारण राजस्थान में बारिश जारी है।

आरजेडी से गठबंधन के कारण बिहार में कमजोर हुई कांग्रेस

● मंत्री अशोक चौधरी बोले-20 साल से 20 सीट नहीं जीत पाई पार्टी, इतिहास इसका गवाह है

पटना (एजेंसी)। जेडीयू के वरिष्ठ नेता और मंत्री अशोक चौधरी ने कांग्रेस और लालू प्रसाद यादव की नजदीकियों पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जब तक लालू प्रसाद यादव के साथ रहेंगे, तब तक कांग्रेस बिहार में कभी खड़ी नहीं हो सकती। चौधरी ने कहा कि इतिहास गवाह है, जिस दिन से सीताराम केसरी ने लालू प्रसाद यादव से गठबंधन कराया, उसी दिन से बिहार में कांग्रेस का पतन शुरू हो गया और आज यह दल पूरी तरह से हाशिए पर है। चौधरी ने तंज कसते हुए याद दिलाया कि एक समय राहुल गांधी ने लालू प्रसाद यादव के लिए अमेंडमेंट बिल तक फाड़ दिया था, लेकिन आज उन्हीं के साथ मिलकर

बिहार में सरकार बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता सब देखती है और उसका फैसला करती है।

योगी ने म्यान से तलवार निकालकर खिंचवाई फोटो

● गोरखपुर में बोले-जब सनातन पर संकट आया,सिखों ने बलिदान दिया

गोरखपुर (एजेंसी)। सीएम योगी रविवार को गोरखपुर के पैडलेगंज में गुरुद्वारा पहुंचे। यहां सिख संतों ने योगी को भगवा पगड़ी पहनाई। तलवार भेंट की। म्यान से तलवार निकालकर योगी ने सिख संतों के साथ फोटो क्लिक कराई। योगी ने गुरुद्वारे के सुंदरीकरण (रेनोवेशन) कामों का लोकार्पण किया। कहा- मैं बहुत पहले यहां पैडलेगंज गुरुद्वारे में आया था। मुझे यहां सुविधाओं का अभाव लगा। आज मैं यहां आया तो देखा कि बहुत काम हुए हैं। अब यहां पर भी गुरुवाणी के पाठ हो पाएंगे। योगी ने कहा-जब भी सनातन पर संकट आया,सिख गुरुओं ने बलिदान करने में कसर नहीं छोड़ी।

एकजुट होकर कर रहे हैं काम, नतीजे सार्थक होंगे

राहुल गांधी बोले-बिहार में नहीं होने देंगे वोट चोरी

अररिया (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि बिहार में विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंट इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के सभी घटक आगामी विधानसभा चुनावों के लिए एकजुट होकर काम कर रहे हैं और परिणाम फलदायी होंगे। अररिया में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव के साथ रविवार को संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि इस वर्ष के अंत में होने वाले चुनावों के लिए 'इंडिया' जल्द ही एक साझा घोषणापत्र जारी करेगा। विपक्षी गठबंधन के सभी घटक वैचारिक और राजनीतिक रूप से एकजुट होकर काम कर रहे हैं और परिणाम फलदायी होंगे। केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर तीखा हमला करते हुए राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि पूर्वी राज्य में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) भाजपा की मदद के लिए वोट चुराने का निर्वाचन आयोग का संस्थागत प्रयास है। उन्होंने कहा कि, हम निर्वाचन आयोग को बिहार में वोट चुराने की इजाजत नहीं देंगे। राहुल गांधी ने कहा कि वे किसी हाल में बिहार में वोटों की चोरी नहीं होने देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग भाजपा की पार्टनर बन चुका है। कांग्रेस के नेता ने कहा कि इस यात्रा की सफलता यह साबित करती है कि बिहार के करोड़ों लोग वोट चोरी हो रहे हैं।

स्पीड ब्रेकर पर एंबुलेंस ऐसी उछली कि लौट आई महिला की बंद सांसें

इंदौर के डॉक्टरों ने मृत घोषित किया, फिर ऐसे हुआ चमत्कार

इंदौर। खाचरोद की महिला को गंभीर हालत में इंदौर के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। ऑपरेशन के बावजूद डॉक्टर उसे बचा नहीं सके और महिला को मृत घोषित कर दिया गया। जब उसे गांव लाया जा रहा था, तो इंदौर-उज्जैन के बीच धरमपुरी में एक स्पीड ब्रेकर पर एम्बुलेंस उछली और इस झटके के कारण महिला का शव भी उछला और उसकी सांसें लौट आई। ताजा जानकारी के अनुसार महिला कोमा में है। यह पूरा मामला उज्जैन जिले के खाचरोद क्षेत्र का है, जहां की अयोध्या बाई (75) की तबीयत 20 अगस्त को अचानक खराब हो गई थी। अयोध्या बाई के बेटे इलाज के लिए उन्हें तुरंत इंदौर के अरविंदो हॉस्पिटल में ले गए, जहां पता चला था कि अयोध्या बाई को ब्रेन हेमरेज हुआ है। इस बात की जानकारी लगने के बाद परिजनों ने अयोध्या बाई का ऑपरेशन करवाया। लेकिन, ऑपरेशन के बाद भी डॉक्टर अयोध्या बाई को बचा नहीं सके और उसे मृत घोषित कर दिया। महिला की मौत की खबर लगते ही परिजनों ने अंतिम यात्रा की

सोशल मीडिया पर सूचना पोस्ट कर दी। घर पर अंतिम यात्रा की सभी तैयारियां कर ली गई। घर पर माहौल पूरी तरह गमगीन था। लेकिन, इस बीच कुछ ऐसा चमत्कार हुआ कि अयोध्या बाई के सांसें लौट आई। अयोध्या बाई के बेटे दिनेश का कहना है कि हम मां को मृत समझ कर उनके मृत शरीर को उज्जैन जिले के खाचरोद स्थित निवास पर ला रहे थे। तभी अरविंदो हॉस्पिटल से गांव की ओर आते समय धरमपुरी के स्पीड ब्रेकर पर मां की बॉडी ऐसी उछली कि अचानक झटका लगने से मां की सांसें अचानक चलने लगीं। अयोध्या बाई के प्राण वापस आने की जानकारी लगते ही पूरा परिवार ही नहीं, पूरे समाज और गांव के लोग अयोध्या बाई को नवजीवन मिलने पर खुश नजर आए। सोशल मीडिया पर समाज के सभी ग्रुप में अयोध्या बाई के निधन की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में समाज के लोग अयोध्या बाई के घर पहुंच गए थे। अंतिम संस्कार के लिए सामग्री लाने से लेकर अंतिम संस्कार की सभी तैयारियां भी पूरी कर ली गई थीं, लेकिन इन सबके बीच अयोध्या बाई के फिर से जीवित होने की जानकारी लोगों को मिली और वह खुशी-खुशी फिर अपने घर लौट गए।

वास्तव में हो गया चमत्कार

डॉक्टरों द्वारा अयोध्या बाई को मृत घोषित करने के बाद भी उनके प्राण वापस आने को पूरा गांव चमत्कार मान रहा है। किसी का कहना है कि अभी उनकी आयु शेष है। इसीलिए वह फिर से लौट आईं तो किसी का कहना है कि यह एक प्रकार का चमत्कार है, जिसके कारण अयोध्या बाई फिर से जीवित हो गई।

कंटेनर में सीमेंट की बोरियों के बीच छुपाई शराब की 811 पेटियां पकड़ी

पुलिस ने ड्राइवर को पकड़ा, पुलिस सप्लायर की तलाश में लगी

इंदौर। शहर में शराब तस्करी का बड़ा मामला सामने आया है, जिसमें तस्करों ने फ़िल्म पुष्पा की तर्ज पर सीमेंट की बोरियों के बीच शराब छुपाकर परिवहन करने की कोशिश की। इंदौर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शुक्रवार देर रात कनाड़िया थाना क्षेत्र के एचआर रिसोर्ट के सामने एक कंटेनर (ट्रक) से करीब 811 पेटियां विदेशी शराब जब्त की, जिसकी मात्रा लगभग 8 हजार लीटर बताई जा रही है। इसकी कीमत करीब 80 लाख रूपए आंकी गई। पुलिस के मुताबिक यह शराब गुजरात भेजी जा रही थी। छापे के दौरान ट्रक चालक प्रेमाराम जाट (निवासी बाड़मेर, राजस्थान) को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में पुलिस को तस्करी के बड़े नेटवर्क का पता लगाने की उम्मीद है। जब्त की गई शराब में रॉयल चैलेंज और ऑल सीजन सहित कुछ विदेशी ब्रांड शामिल हैं। पुलिस को शक है कि यह खेप राजस्थान या हरियाणा से लाई गई होगी। पुलिस अधिकारियों ने

बताया कि बोतलों पर किसी भी तरह के सरकारी टैग या मार्किंग नहीं मिली है, जिससे यह भी संदेह है कि शराब नकली या मिलावटी हो सकती है। फिलहाल फॉरेंसिक और एक्साइज विभाग इसकी जांच कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार गुजरात में शराबबंदी होने के कारण वहां तस्करी का अवैध कारोबार जोरों पर है। तस्कर अक्सर नए तरीके अपनाकर खेप भेजते हैं। कभी सब्जियों तो कभी अनाज की बोरियों में। इस बार सीमेंट की बोरियों के बीच शराब छुपाई गई थी। एडिशनल डीसीपी अमरेंद्र सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी से कड़ी पूछताछ जारी है। प्रारंभिक जांच में यह सिर्फ एक खेप नहीं बल्कि बड़े गिरोह से जुड़ा मामला लग रहा है। पुलिस जल्द ही पूरे नेटवर्क का खुलासा करने का दावा कर रही है।

डांस टीचर ने नाबालिग छात्रा को शिकार बनाया, धमकी देकर रेप

• अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर रेप किया

इंदौर। नजदीकी औद्योगिक क्षेत्र पीथमपुर के सेक्टर-एक थाना क्षेत्र से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया। आरोपी धीरज उर्फ शिवा ने डांस सिखाने के बहाने छात्रा से नजदीकियां बढ़ाई। पीड़िता ने सबसे पहले शिकायत खंडवा थाने में दर्ज कराई थी। वहां से जीरो पर केस दर्ज कर प्रकरण को पीथमपुर सेक्टर-एक थाना पुलिस को ट्रांसफर किया गया। जांच में सामने आया कि आरोपी ने पीड़िता की इंस्टाग्राम आईडी से तस्वीरें निकालकर उन्हें एडिट किया और फर्जी अकाउंट बनाकर आपत्तिजनक फोटो और वीडियो वायरल कर दिया था। यह पूरा मामला 1 अप्रैल 2024 का बताया जा रहा है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी धीरज ने आजाद चौराहा स्थित काका कॉम्प्लेक्स परिसर के पास पीड़िता को बुलाकर धमकाया। उसने फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर दोबारा उसका अश्लील वीडियो बनाया। जब पीड़िता ने इसका विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट की, जान से मारने की धमकी दी और फिर रेप की वारदात को अंजाम दिया गया। पीड़िता पढ़ाई के सिलसिले में अपने पिता के साथ पीथमपुर में रहती थी। इसी दौरान उसकी पहचान आरोपी डांस टीचर धीरज से हुई थी। डांस सिखाने के बहाने आरोपी ने किशोरी से नजदीकियां बढ़ाई और धीरे-धीरे उसे अपने जाल में फंसा लिया। इस गंभीर मामले को लेकर थाना प्रभारी ओम प्रकाश अहीर ने बताया कि आरोपी के खिलाफ रेप, पॉक्सो एक्ट, आईटी एक्ट और अन्य गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया गया है। पुलिस की टीम उसकी तलाश में जुटी है और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

परेशान पुलिसकर्मी ने थाने में खाया जहर

इंदौर। वेतन रूकने से परेशान कनाड़िया थाने के आरक्षक ने जहर खा लिया, जिससे उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। जानकारी के मुताबिक, आरक्षक का नाम संतोष पिता सहदेव चौहान निवासी विजय नगर है। उसने थाने में ही जहर खा लिया था, जिससे वहां हड़कंप मच गया था। इसके बाद थाने पर मौजूद अन्य पुलिसकर्मियों ने उसे एमवाय लेकर गए। फिलहाल उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। बताते हैं कि संतोष पूर्व में एमआइजी थाने पर पदस्थ था, जहां से पिछले दिनों उसे मौखिक आदेश पर कनाड़िया थाने ट्रांसफर कर दिया गया। उसे मिर्गी के दौरे आते थे, इसके चलते वह ट्रांसफर से नाखुश था। उसके दो दिन की छुट्टी पर जाने के बाद शुक्रवार को ही वह लौटा था।

बालिका की मौत में फैक्ट्री मालिक पर केस

इंदौर। सांवेर की पुट्ठा फैक्ट्री में पानी की हौज में गिरने से हुई बालिका की मौत के मामले में फैक्ट्री मालिक पर केस दर्ज किया है। घटना 11 अगस्त को तिवारी पेपर बोर्ड इंडस्ट्री में हुई थी। यहां बालिका सिया खुली हौज में जा गिर गई थी। जांच में पता चला कि पुट्ठा फैक्ट्री के मालिक रंजन तिवारी निवासी कमला नेहरू नगर ने हौज पर ढक्कन सहित अन्य सुरक्षा के इंतजाम नहीं किए थे।

ब्राउन शुगर सहित पकड़ा: एमआईजी पुलिस ने सिंगापुर बिजनेस पार्क के पीछे लिंक रोड से बदमाश अतीत पिता अशोक बौरासी निवासी पाटनीपुरा को घेराबंदी कर पकड़ा है। आरोपी के कब्जे से 8.2 ग्राम ब्राउन शुगर जब्त की गई। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

इंदौर में 26 अगस्त तक बारिश का दौर जारी, शहरवासी तरबतर होंगे

इंदौर। अभी तक इस मानसून सीजन की औसत से आधी वर्षा ही हुई है। इंदौर में अगले सप्ताह तक हल्की से मध्यम स्तर की वर्षा जारी रहेगी। शहर में रूक-रूक कर वर्षा शहरवासियों को तरबतर करेगी। इंदौर जिले में 24 से 26 अगस्त तक कहीं-कहीं वर्षा होगी। इस दौरान गरज-चमक के साथ वर्षा होगी और झोकेदार हवाएं भी शहरवासियों को महसूस होगी। 27 अगस्त को जिले के अधिकांश हिस्सों में गरज-चमक के साथ वर्षा होगी। भोपाल स्थित मौसम केंद्र के विज्ञानियों के मुताबिक वर्तमान में एक निम्न दाब क्षेत्र पश्चिमी बंगाल के गंगा तटीय क्षेत्र बना हुआ है। इसके अलावा वहां पर 7.6 किलोमीटर ऊंचाई एक चक्रवाती हवाओं का घेरा भी बना हुआ है। इसके अलावा उत्तर मप्र से दक्षिण उत्तर प्रदेश में निकटवर्ती क्षेत्र में ऊपरी हवा घेरा बना हुआ है।

सिंगापुर टाउनशिप रेलवे अंडर ब्रिज का काम तेजी से कराने के निर्देश

निगम के अधिकारी गड्ढे भरायें, स्ट्रीट लाइट लगाएं, पानी निकालें

इंदौर। जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट ने बताया कि सिंगापुर टाउनशिप स्थित रेलवे अंडर ब्रिज के निर्माण कार्य एवं बारिश के कारण जल भराव की समस्या के स्थाई हल के लिए सभी विभागों के अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया गया। नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा, एडीएम रोशन राय, रेलवे अधिकारी पीसी शेखर, एसडीएम घनश्याम धनगर, कार्यपालन यंत्री पीडब्ल्यूडी जयदेव गौतम, ब्रिज शाखा की गुरनीत कौर भाटिया, निगम इंजीनियर एलआर लोधी, जीएस सोलंकी और लसूड़िया थाना प्रभारी तारेश सोनी, तहसीलदार प्रीति भीसे सहित अन्य अधिकारियों के साथ सिंगापुर टाउनशिप रेलवे अंडर ब्रिज के निर्माण कार्य एवं बारिश

के कारण जल भराव की समस्या के स्थाई हल के लिए आज मौका निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मौके पर सिलावट ने रतलाम रेलवे के अधिकारी महेन्द्र जाटव से फोन पर चर्चा कर उक्त रेलवे अंडरब्रिज का निर्माण कार्य को आगामी दो माह में त्वरित गति से काम पूरा करने के निर्देश दिए और जलभराव की समस्या होने पर तुरंत तीन बडे मोटर पंप से तत्काल पानी निकासी के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होने नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा को सिंगापुर टाउनशिप जंक्शन से रेलवे अंडर ब्रिज पर 400 मीटर नवीन 60 फीट चौडी सड़क का निर्माण करने एवं स्ट्रीट लाईट, हेलोजन एवं सड़क में मौजूद गड्डे को भराव करने के साथ ही सिंगापुर टाउनशिप की नाली को पॉकलेन मशीन से साफ कर उसका पूरा पानी समीप के नाले में निकाले जाने के साथ सड़क का पेंचवर्क करने के निर्देश दिए।

मंत्री सिलावट ने लोक निर्माण विभाग और नगर निगम को सिंगापुर टाउनशिप रेलवे अंडर ब्रिज के समीप के नाले को गहरा कर सफाई कराये जाने के निर्देश भी दिए। साथ ही नगर निगम,रेलवे और लोक निर्माण विभाग को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिये। थाना प्रभारी लसूड़िया तारेश सोनी को रेलवे अंडर ब्रिज के पास रास्ता जाम की स्थिति उत्पन्न न हो इसके लिए आवश्यक पुलिस जवान तैनात करने के भी निर्देश दिए।

क्राइम ब्रांच की कार्रवाई, साढ़े 4 किलो सोने के आभूषण बरामद

इंदौर। क्राइम ब्रांच ने अंतरराज्यीय गैंग के दो फरार आरोपियों को राजस्थान से गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपियों से 4 किलो 800 ग्राम सोने के आभूषण बरामद किए हैं, जिनकी कीमत करीब 4 करोड़ 80 लाख रुपये आंकी गई है। मामला अहमदाबाद के अंकित गोल्ड ज्वेलर्स से जुड़ा है। 9 जुलाई 2025 को व्यापारी धर्मेंद्र भाई जयंतीलाल ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके कार में रखे सोने के दो बैग,जिनका वजन 4.8 किलो और कीमत 4.79 करोड़ रुपये थी, उसके ही नौकर ने गंगवाल बस स्टैंड के पास से चोरी कर फरार हो गया। इस पर पुलिस ने मुकदमा क्रमांक दर्ज कर जांच शुरू की।

जालौर से आरोपी गिरफ्तार: पुलिस ने तकनीकी जानकारी व मुखबिर की सूचना पर राजस्थान के जालौर में दबिश दी। यहां से आरोपी मशरू रबारी (25) और प्रेमपाल सिंह देवड़ा (28) को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान कार की सीट के अंदर छुपाया गया सोना भी बरामद किया गया।

एसआईटी की कार्रवाई: वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन

में गठित एसआईटी ने त्वरित कार्रवाई करते हुए व्यापारी का पूरा सोना सुरक्षित जब्त कर लिया। दोनों आरोपियों को रिमांड पर लेकर आगे की पूछताछ की जा रही है। जब्त माल सोने के आभूषण का वजन 4 किलो 800 ग्राम है और इसकी कीमत लगभग 4,79,64,300 आंकी गई है।

गणेश उत्सव पर्यावरण अनुकूल होगा थ्री आर की तर्ज पर बनेंगे पंडाल

पीओपी मूर्तियों पर सख्ती से रोक, सिर्फ मिट्टी की मूर्तियां

इंदौर। महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं आयुक्त शिवम वर्मा के निर्देशानुसार नगर निगम इंदौर ने आगामी गणेश उत्सव को पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में विशेष पहल की है। इस क्रम में सिटी बस ऑफिस सभागृह में अपर आयुक्त रोहित सिसोनिया की अध्यक्षता में गणेश पंडाल समितियों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में सिसोनिया ने कहा कि इस बार 3 आर (रिड्यूस, रीयूज़, रीसाईकिल) के सिद्धांत पर हर पंडाल का निर्माण होना चाहिए। पंडालों में प्लास्टिक और थर्माकोल का उपयोग प्रतिबंधित रहेगा। जबकि, सजावट व निर्माण में रीसाइकिल व पुनः उपयोग योग्य सामग्री का प्रयोग किया जाएगा। अपर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि जो भी समिति पर्यावरण हितैषी पंडाल बनाएगी,उन्हें निगम द्वारा सम्मानित किया जाएगा। साथ ही मूर्तियों में केवल मिट्टी का उपयोग करने और पीओपी की मूर्तियों से बचने की अपील की गई।

स्वच्छ इंदौर का संकल्प: सिसोनिया ने कहा कि इंदौर स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण में देश का आदर्श रहा है। इस परंपरा को बनाए रखते हुए गणेश उत्सव को भक्ति के साथ स्वच्छता और हरित जीवनशैली का संदेश देना होगा। नगर निगम ने सभी समितियों से आग्रह किया कि सजावट, आयोजन और विसर्जन की हर प्रक्रिया पर्यावरण हितैषी हो।

विधायक महेंद्र हार्डिया का जन्मदिन सादगी और पौधरोपण के साथ मना

खजराना गणेश मंदिर में अभिषेक, भोजन प्रसादी का वितरण

इंदौर। विधानसभा क्रमांक 5 के विकास के वाहक, जनप्रिय, ऊर्जावान विधायक महेंद्र हार्डिया के जन्मदिवस पर महेश दृष्टिहीन कल्याण संघ में गौरव हार्डिया और दीपिका हार्डिया के साथ बच्चों को भोजन कराया। महापौर परिषद सदस्य राजेश उदावत ने बताया कि इस अवसर पर एमआईसी सदस्य नंदकिशोर पहाड़िया पार्षद पुष्पेंद्र पाटीदार, पार्षद संगीता महेश जोशी और मंडल अध्यक्ष रामबाबू यादव उपस्थित रहे! विधायक महेंद्र हार्डिया बाबा के जन्मदिन के

अवसर पर खजराना गणेश मंदिर में कार्यकर्ताओं ने बाबा के स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की मंगलकामना की और गणेश जी का अभिषेक किया।

इस पावन अवसर पर कार्यकर्ताओं की ओर से भक्तों को भोजन प्रसादी का वितरण किया गया। विधायक के जन्मदिन पर वार्ड क्रमांक 49 के गोयल नगर स्थित ग्रीन बेल्ट में 72 पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर एमआईसी सदस्य व क्षेत्रीय पार्षद राजेश उदावत एवं विधायक के पुत्र गौरव हार्डिया एवं पुत्रवधू दीपिका हार्डिया, मंडल अध्यक्ष दीपेश पालविया, वार्ड संयोजक तीरथ पाल यादव, सह संयोजक पवन भार्गव, राकेश जैन, विश्वजीत चौहान, अजय जैन, पंकज चौहान, अभिषेक सोनी, मुनेश सोनकर, प्रवीण जैन, जितेश जोशी, राकेश मेहता और अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पार्टनरशिप में विवाद ही कारोबारी की हत्या की वजह बना, पैसों के लेनदेन पर झगड़ा

• बैंक लोन में आरोपी की प्रॉपर्टी मॉडगेज थी, चिराग उसे छुड़वा के राजी नहीं था

इंदौर। शनिवार सुबह उद्योगपति की उसके घर में हुई हत्या के पत्ते खुलने लगे हैं। चिराग जैन नाम के पाइप कारोबारी की हत्या उसी के पार्टनर विवेक जैन ने की है। दोनों के बीच 12 साल से दोस्ती थी और बिजनेस में भी लम्बी पार्टनरशिप रही। कुछ समय से दोनों में कटुता आ गई थी और दोनों अलग हो गए थे। लेकिन, फिर भी विवाद बना हुआ था। यही विवाद हत्या का कारण बना। एडिशनल डीसीपी अमरेंद्र सिंह के मुताबिक, उद्योगपति चिराग पिता देवेन्द्र का सांवेर रोड पर अरिहंत सेल्स के नाम से पीवीसी पाइप बेचने का कामकाज था। जैन अपने परिवार के साथ रहते थे। उनकी सांवेर रोड पर पाइप की फैक्ट्री है। चिराग मूलतः ग्वालियर का रहने वाला था। 8-9 साल पहले यहां रहने आया था। कारोबार के दौरान उसकी मित्रता आरोपी विवेक पिता महावीर जैन निवासी बख्तावर राम नगर (मूल निवासी भिंड) से हुई। बाद में विवेक उनका बिजनेस पार्टनर बन गया था। किसी बात पर दोनों का कुछ समय पहले विवाद हो गया था। विवाद के बाद विवेक ने खुद को पार्टनरशिप से अलग कर लिया था। लेकिन, लेनदेन का कुछ हिसाब बाकी थी। इसी हिसाब को पूरा करने के लिए 2 माह पहले चिराग के साथ उसकी बैठक हुई थी। बैठक में चिराग ने उसका बचा हुआ सारा पैसा दे दिया था। विवेक उस हिसाब से संतुष्ट नहीं था और मन में टीस लेकर बैठा था। अपनी संतुष्टि के लिए विवेक बात करने के बहाने चिराग के घर पहुंचा था।

कहासुनी के बाद चाकू मारे : रोज की तरह चिराग की पत्नी पूनम मॉर्निंग वॉक करने गई थी। इसी का फायदा उठाकर वह चिराग से उसके घर बात करने गया। वहां बातचीत के दौरान चिराग और विवेक के बीच कहासुनी हुई। विवाद इतना बढ़ा कि विवेक दौड़कर किचन में गया और चाकू उठाकर चिराग पर कई वार कर दिए। हमले में चिराग की मौके पर ही मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद विवेक मौके से भाग निकला। कुछ देर बाद आसपास के लोगों ने देखा कि घर का गेट खुला हुआ है और अंदर खून फैला हुआ है। उन्होंने फौरन पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेजा और आरोपी के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। घटना के बाद आरोपी को पकड़ने पुलिस ने अलग-अलग टीमें गठित कर दी गई हैं। फोरेंसिक टीम जांच कर रही है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को भी खंगाला जा रहा है।

गले और पेट पर चाकू के घाव: चिराग के दोस्त दीपक जैन ने बताया कि जब हम पहुंचे तो चिराग खून से लथपथ थे। उनके गले और पेट पर 10-12 चाकू के निशान थे। पता चला कि बिजनेस पार्टनर विवेक घर में घुसकर हमला कर फरार हो गया।

लोन विवेक की प्रॉपर्टी

चिराग और विवेक जैन की दोस्ती भिंड में हुई थी। यहीं से दोनों कारोबार के लिए इंदौर आए थे। सूत्रों के मुताबिक कारोबार के लिए चिराग और विवेक ने लोन लिया था। इसके लिए विवेक की प्रॉपर्टी को बैंक में गिरवी रखा गया था। विवेक इस प्रॉपर्टी को लोन से फ्री कराना चाहता था, लेकिन चिराग इसमें आनाकानी कर रहा था। चिराग ने सांवेर रोड स्थित फैक्ट्री और अन्य जगहों पर विवेक के आने पर भी पाबंदी लगा दी थी। विवेक को रोकने के लिए बाउंसर भी बैठा दिए थे। चिराग ने मिलन हाइट्स का फ्लैट दो साल पहले ही खरीदा था। आरोपी विवेक जैन का एक वीडियो सामने आया है। बताया जा रहा है कि यह कुछ दिन पहले का है। वीडियो में विवेक जैन कह रहा है कि मैं पिछले 12 साल से इंदौर में अरिहंत सेल्स में चिराग जैन के साथ पार्टनर हूं।

संपादकीय

गोर की तैनाती का अर्थ

अमूमन किसी भी देश में राजदूत की नियुक्ति देशों के बीच परस्पर रिश्तों को सुधारने, संवारने और नए शिखरों की ओर ले जाने के मकसद से होती है। लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सर्जियो गोर को भारत में अपना नया राजदूत नियुक्त करके यही संदेश दिया है कि दोनों देशों के बीच रिश्ते सुधरने की बजाए और कड़वाहट भरे हो सकते हैं। कारण कि सर्जियो गोर का अतीत पहले ही से विवादास्पद रहा है। यही नहीं, कभी ट्रंप के बहुत करीबी रहे उद्योगपति एलन मस्क ने गोर को 'सांप' कहा था। फिर भी ट्रंप ने उन्हें भारत में राजदूत नियुक्त किया है तो इसमें छिपे संकेत कूटनीतिक जगत में पढ़े जा सकते हैं। वैसे गोर की नियुक्ति के साथ ट्रंप ने घोषणा की कि वह भारत में नए अमेरिकी राजदूत और दक्षिण और मध्य एशिया के लिए विशेष दूत बनाने जा रहे हैं। उन्होंने लिखा कि दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले क्षेत्र (दक्षिण और मध्य एशिया) के लिए यह ज़रूरी है कि मेरे पास ऐसा व्यक्ति हो, जिस पर मैं पूरी तरह भरोसा कर सकूं और जो मेरे एजेंडे को आगे बढ़ाने में मदद करे, ताकि हम अमेरिका को फिर से महान बना सकें। सर्जियो एक शानदार राजदूत साबित होंगे। गोर फ़िलहाल ट्रंप प्रशासन में 'हेड ऑफ़ प्रेसिडेंशियल पर्सनल अपॉइंटमेंट्स' हैं।

उनकी नियुक्ति को अमेरिकी सीनेट से मंज़ूरी मिलनी बाक़ी है। प्रेसिडेंशियल पर्सनल के निदेशक के तौर पर सर्जियो और उनकी टीम ने रिकॉर्ड समय में गोर ने संघीय सरकार के हर विभाग में लगभग 4 हजार 'अमेरिका फ़र्स्ट' समर्थकों की नियुक्ति की है। सीनेट से पुष्टि होने तक सर्जियो अपनी मौजूदा भूमिका में व्हाइट हाउस में बने रहेंगे। अहम बात यह है कि गोर को ऐसे समय में भारत में अमेरिका का राजदूत बनाया जा रहा है जब टैरिफ़ को लेकर अमेरिका से उसका विवाद चल रहा है। साथ ही भारत और चीन की नज़दीकियां बढ़ती दिख रही हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि गोर मेरे अच्छे दोस्त और भरोसेमंद साथी रहे हैं। उन्होंने मेरे ऐतिहासिक राष्ट्रपति अभियानों में काम किया, मेरी बेस्ट-सेलिंग किताबें प्रकाशित कीं और हमारे आंदोलन को समर्थन देने वाले सबसे बड़े सुपर पीएसी में से एक को चलाया। जवाब में गोर ने राष्ट्रपति का आभार व्यक्त किया। अमेरिका में कुछ लोग तो गोर को ट्रंप का 'दाहिना हाथ' भी कहते हैं। भारत में गोर की नियुक्ति ऐसे समय में हो रही है, जब भारत और अमेरिका के बीच होने वाली ट्रेड डील रद्द हो गई है। भारत पर 50 फ़ीसदी टैरिफ़ की तलवार लटक रही है, जिसका ऐलान डोनाल्ड ट्रंप ने किया था। वहीं दक्षिण एशियाई मामलों के विश्लेषक माइकल कुगमैन ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर लिखा कि अगर गोर की नियुक्ति को भारत में राजदूत के तौर पर मंज़ूरी मिल जाती है और साथ ही विशेष दूत की भूमिका भी निभाते हैं, तो यह माना जाएगा कि भारत-पाकिस्तान 'हाइफ़नेशन' (दोनों को एक ही संदर्भ में देखने की नीति) फिर से लौट आया है। दूसरा नज़रिया यह है कि अमेरिका इस क़दम से भारत के साथ रिश्तों की अहमियत का संदेश देना चाहता है। क्योंकि दक्षिण और मध्य एशिया के लिए विशेष दूत को सीधे दिल्ली में तैनात किया जा रहा है। क्योंकि अमेरिकी राजदूत को दक्षिण और मध्य एशिया मामलों के लिए विशेष दूत बनाना एक नई बात है। उधर ट्रंप अपने देश में भारत समर्थकों को प्रताड़ित करने में कसर नहीं छोड़ रहे हैं। इस बीच युवा राजदूत गोर अमेरिका और भारत के रिश्तों में सुधार की दिशा में अहम भूमिका निभाएंगे या फिर ये सम्बंध और ज्यादा खराब होंगे, इस पर सभी की नजर रहेगी।

नजरिया

रघु ठाकुर

लेखक समाजवादी चिंतक हैं।

कुत्ता आतंकवाद

इन दिनों सर्वोच्च न्यायालय से लेकर मीडिया तक कुत्तों के आतंक की चर्चा तेज है। समूचे देश में 2024 में लगभग सैंतीस लाख पंद्रह हजार कुत्तों के काटने की घटनायें हुई और काफी लोग इसके चलते मौत के शिकार हुए हैं। देश की राजधानी दिल्ली की हालत यह है कि पाश कॉलोनियों के बगीचों में घूमने वाले अफसरों को भी अब कुत्ते अपना शिकार बना रहे हैं। छोटे-छोटे बच्चे आवारा कुत्तों के भय से घरों में कैद हैं और उनके माता-पिता उनके लिए भयभीत है। दूसरी तरफ, राजधानियों और महानगरों तक में पर्याप्त मात्रा में रेबीज की रोकथाम की उपलब्धता नहीं है, ग्रामों व कस्बों की तो चिंता किसे है?

यह मामला भी सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा है। देश की सर्वोच्च अदालत दिल्ली की कुत्ता समस्या को समाधान करने के लिए परेशान है। एक तो यह ही विचित्र है कि कुत्तों की समस्या को लेकर मामला सर्वोच्च न्यायालय में पहुंचा है और इससे सर्वोच्च न्यायालय के कई दिन इस समस्या पर सुनवाई में जाया हो रहे है।

अंतर्राष्ट्रीय पटल की तर्ज पर देश में पैट लवर्स की एक नई उच्च मध्यवर्गीय बिरादरी पैदा हुई है, जो सड़क के आवारा कुत्तों को खिलाना अपना पशु प्रेम मानते हैं। वैश्विक संस्थाओं के प्रभाव में भारत सरकार ने भी एनिमल प्रोटेक्शन के नाम एक कानून बना लिया। परिणाम स्वरूप इन आवारा कुत्तों की संख्या भारी बढ़ गई है। ये आवारा कुत्ते, अब केवल काट ही नहीं रहे, बल्कि बच्चों को तो पूरा चीथकर खा रहे हैं। ये, वाकायदा दो पहिया वाहन वालों के पीछे दौड़ते हैं,जिसके परिणाम स्वरूप कई गंभीर दुर्घटनाएं हो रही है।

जब कुत्तों के काटने पर पीड़ितों की संख्या बढ़ी, और विशेषता जब, राजधानी और महानगरों के लोग कुत्तों के शिकार होना शुरू हुए तब मीडिया में खबरें आना शुरू हुई। उच्च वर्गीय परिवारों के लोग पार्कों में घूमते हुए भी कुत्तों के शिकार होने लगे, तब सरकारें और मीडिया कुछ सावधान हुआ और न्यायपालिका भी सक्रिय हुई। कुछ वर्ष पहले देश में यह निर्णय हुआ था कि कुत्तों का परिवार नियोजन किया जाए और उन्हें वैक्सीन लगाई जाए जिससे उनकी पैदावार की संख्या कम हो जाए। परंतु यह सोच व निर्णय भी अव्यावहारिक था। आखिर इतने बड़े देश में नगर निगम या नगर पालिकाओं के अल्प कर्मचारी जो निगम का मूल काम तो कर नहीं पाते वे कैसे इन आवारा कुत्तों को पकड़ेंगे, जिनकी संख्या लाखों में है? तथा जिन्हें पकड़ना भी आसान नहीं था बल्कि जोखिम भरा था। क्या कुत्तों के पीछे बेचारे कर्मचारी वैक्सीन लेकर दौड़ते और अगर वे काटते तो क्या वेक्सीन उन्हें बचा पाती। यह घोर अमानवीय और मूर्खता पूर्ण निर्णय व कल्पना थी। हमारे देश की अफसर शाही और सत्ताधीश कितने जमीन से कटे है, यह इसका प्रमाण है। और यह निर्णय अंततः लगभग असफल हुआ।

अब दिल्ली के सुप्रीम कोर्ट के तीन न्यायाधीशों की बेंच उन चार याचिकाओं की सुनवाई कर रही है जो लंबित है। यहां तक कि मुख्य न्यायाधीश महोदय ने भी कहा है श्मैं खुद इसे देखूंगा।य इसी बीच एक और निर्णय किए जाने की चर्चा है कि इन आवारा कुत्तों के लिए शेल्टर होम बनाए जाएं और अब मीडिया ने भी यह खोज शुरू कर दी है कि किस शहर में कितने

शेल्टर होम बने हैं और कितने शहरों में नहीं बने। ये शेल्टर होम कितने जमीन पर बनेंगे, वहां कुत्तों को खाना कौन व किस फंड से देगा, वहां कितने कर्मचारी होंगे, बीमारी फैलने पर कैसे इलाज होगा आदि प्रश्नों पर विचार किए बगैर यह नया शगूफा छोड़ दिया गया। जबकि सरकारी आंकलन के अनुसार देश में 1 करोड़ 53 लाख आवारा कुत्ते हैं।

हमारा समाज कितना मानवीय समाज है हमारे देश की संस्थाएं कितनी संवेदनशील हैं कि वह आवारा कुत्तों के लिए शेल्टर होम बनाने के लिए तैयार हैं जबकि देश में करोड़ों भिखारी और बेरोजगारों के लिए शेल्टर होम नहीं है। जो थोड़े बहुत रैन बसेरा हैं वे भी अपर्याप्त हैं।

सरकारी व अन्य सूत्रों के अनुसार अभी अकेले दिल्ली में 3 लाख आवारा कुत्ते हैं अब इनके लिए सूचनाओं के अनुसार लगभग 3000 शेल्टर होम लगेंगे। इन शेल्टर होम के लिए कर्मचारी लगेंगे, जमीन की आवश्यकता होगी और एक भारी खर्च इस पर होगा। एक शेल्टर होम में, केवल 100 मेहमान कुत्तों की व्यवस्था होगी। इसी आधार पर समूचे देश में 1 लाख 53 हजार शेल्टर होम की आवश्यकता होगी।

हमारे देश की एक पशु प्रेमी महिला श्रीमती मेनका गांधी ने यह कहकर कि अगर दिल्ली के तीन लाख कुत्ते शेल्टर हाउस में चले जाएंगे तो भी आसपास से 3 लाख और आ जाएंगे, क्योंकि दिल्ली में 50000 अवैध चिकन सेंटर और मीट की दुकानें हैं। यह वही श्रीमती मेनका गांधी हैं जो आपातकाल के लिए सर्वाधिक जिम्मेवार माने जाने वाले स्वर्गीय संजय गांधी की धर्मपत्नी है और उस समय संघ और जन संघ के लोग श्रीमती मेनका गांधी के बारे में क्या-क्या किस्से जेल में सुनाते थे। अब उनकी याद वह नहीं करते। श्रीमती मेनका गांधी ने शेल्टर होम के नुस्खे को देश में बड़े पैमाने पर फैलाने का रास्ता खोल दिया है, क्योंकि समस्या और सीमा तो फैलती ही जाएगी। उनने दिल्ली से सटे गाजियाबाद से आवारा कुत्तों के और अधिक संख्या में याने लगभग 3 लाख आवारा कुत्ते अतिरिक्त दिल्ली में आने का अनुमान लगाया है फिर गाजियाबाद वाले कहेंगे कि अलीगढ़ से कुत्ते आ सकते है, इस प्रकार पूरे देश में कुत्ता शेल्टर होम बनें। अगर दिल्ली में 50000 अवैध चिकन सेंटर है तो उन्होंने बंद क्यों नहीं कराए? वे तो कई बार केंद्रीय मंत्री रह चुकी हैं। वैसे अवैध चिकिन सेंटर सामान्यतः गरीब आबादियों के पास होते है, पर आवारा कुत्ते तो उन पाश कालोनियों या अफसरों, नेताओं की कालोनियों में भी घूम रहे हैं, जहां अवैध चिकिन सेंटर नहीं है। बल्कि वहां इन आवारा कुत्तों को ये तथाकथित पेट लवर ही खिला कर मजबूत कर रहे हैं और आम आदमी को खतरा पैदा कर रहे हैं। अगर सच कहा जाए तो ये पेट लवर्स कुत्तों के हमलों के लिए जिम्मेवार है।

हमारे देश में 19वीं सदी के मध्य तक यह परंपरा थी कि इन आवारा कुत्तों को नगर निगम जहर देकर मारता था और बाहर फेंक दिया जाता था। जब तक यह परंपरा थी तब तक आवारा कुत्तों की कोई समस्या नहीं थी। अब यह समस्या इन नकली संवेदनशील मित्रों ने खड़ी की है। यह अंतरराष्ट्रीय चोंचले है जो एक वर्ग विशेष के दिखावे के लिए किए जाते है। परंतु देश के लिए यह एक बड़ी समस्या हैं।

यूएनओ व वैश्विक संस्थाओं या इन महल पशु प्रेमियों को इसराइल हमास युद्ध में जहां साठ हजार लोग मर चुके हैं, रूस-यूक्रेन युद्ध में, जहां हजारों निर्दोष लोग व बच्चे मर चुके हैं उनकी चिंता नहीं है पर आवारा कुत्तों की चिंता है।

मैं जानता हूं कि मैं जो लिख रहा हूं उससे एक विदेशी दिमाग और नकल वाले समूह की तीखी प्रतिक्रिया होगी और मेरे ऊपर अमानवीय होने का आरोप भी लगेगा, परंतु इससे में भयभीत नहीं हूं ।

1.मेरी यह राय है कि 19वीं सदी के मध्य तक जो परंपरा चल रही थी उसे पुनःस्थापित करना चाहिए। ताकि जिस समस्या से देश परेशान है, माननीय सुप्रीम कोर्ट का समय जाया हो रहा है, जनता का पैसा व्यर्थ जा रहा है इसका समापन हो सके। दुनिया के कई देशों में, यह समस्या इसलिए नहीं है कि वे मांसाहार में, कुत्ते भी खाते हैं, वे पेट लवर्स नहीं हैं, बल्कि वे भक्षी हैं।

2.यह भी उचित होगा कि जो पेट लवर्स है उनको दस दस आवारा कुत्तों का अभिभावक नियुक्त कर उन्हें दे दिया जाय, जिन्हें वे अपने घर में रखकर पाल सकें ताकि कुत्ते भी बच जाएं और कुत्ता आतंकवाद भी समाप्त हो सके। और पेट लवर्स अपना दायित्व भी पूरा कर सकें।

3.इन आवारा कुत्तों को बाघों, चीतों के अभयारण में छोड़ दिया जाए।

ध्यान रखना चाहिए कि अब महाभारत काल नहीं है जब कुत्ता युधिष्ठिर के साथ अंत तक रहता है। भूख-प्यास सहता है क्योंकि हिमालय में तो केवल बर्फ ही था। अब तो कलयुग है यहां कब कौन सा कुत्ता अपनी भूख मिटाने को युधिष्ठिर को ही खाने लगेगा, कहना कठिन है?

दृष्टिकोण

आरबी त्रिपाठी

लेखक स्तंभकार हैं।

हाईवे, गड्ढों पर पैबंद, जाम, फिर भी भारी-भरकम टोल

अब देश की सबसे बड़ी अदालत सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि यदि कोई यात्री घंटों जाम में फंसा रहता है तो वह टोल टैक्स क्यों दे। मामला केरल के त्रिशूर स्थित नेशनल हाईवे से जुड़ा है जिस पर सुनवाई के दौरान कोर्ट की पीठ ने यह टिप्पणी की। इसके पूर्व केरल हाईकोर्ट ने एनएच के एक हिस्से की ख़राब हालत और जाम को देखते हुए टोल वसूली रोक दी थी। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की ओर से कहा गया था कि टोल निलंबित करने के बजाय आनुपातिक रूप से घटाना चाहिये। दूसरी तरफ टोल कंपनी ने कहा कि उसे दस दिन में पांच-छह करोड़ का नुक़सान हो चुका है।

यह मसला वैसे तो केरल का है लेकिन हमारे मध्यप्रदेश सहित कई राज्यों में भी टोल वसूली को लेकर आये दिन झगड़े मारपीट की वज़ह बन रहे हैं। अकेले इंदौर- भोपाल हाईवे पर ऐसी अनेक घटनाएं होती रहती है जिसके चलते दूसरे वाहनों तथा यात्रियों को परेशानी उठाना पड़ती है। इस हाईवे पर चार- पांच जगह भारी-भरकम टोल वसूला जा रहा है जो रोड की हालत को देखते हुए ज्यादा प्रतीत होता है। झगड़े फ़साद की जड़ भी यही टोल बन रहे हैं। बीते दिनों इस हाईवे पर एक विधायक के परिजन का विवाद सुर्खियों में रहा जिसमें हाथों में डंडा लिये युवक कथित तौर पर मारपीट करते नज़र आये। हाल ही में उत्तरप्रदेश सहित अन्य जगहों से भी ऐसी ख़बरें सामने आई। यह भी सच है कि टोल बूथ पर काम करने वालों का व्यवहार अमूमन विनम्रता वाला नहीं रहता। कंपनियों/ ठेकेदारों ने टोल बूथों पर बाउंसर जैसे लोग भी कहीं- कहीं रख छोड़े हैं जो विवाद होने पर तुरंत प्रगट हो जाते हैं।

हाल ही के त्योहारी सीज़न में बीते 8 अगस्त को इंदौर से लेकर देवास तथा सोनकच्छ से आगे तक वाहनों की दो -दो, तीन-तीन लंबी लाइनें चल रही थी। अधिक ट्राफिक के साथ इसकी वज़ह टोल बूथ पर लगने वाला समय था। यह समझ से परे है कि जब ज्यादातर वाहनों में फास्फेट लगे रहते हैं फिर भी उन्हें इतना वक्त क्यों लगता है। दरअसल यह सम्पूर्ण व्यवस्था निजी हाथों में सौंपे जाने से प्रशासनिक दखल नहीं होता और खुलेआम मनमानी चला करती है। सोचें इस हाईवे से रोजाना कितने ही वीआईपी गुजरते होंगे लेकिन उन्हें शायद इन सबसे कोई सरोकार नहीं?

याद कीजिये जब हरेक छोटे बड़े शहरों में यात्री बसों से ऑक्ट्राय नाकों पर मनमाने ढंग से टैक्स वसूला जाता था। यहां तक कि बसों में सवार यात्रियों की गिनती भी नाके के कर्मी किया करते थे। इसमें भी विवाद होते थे और यात्रियों का समय जाया होता था। खैर यह व्यवस्था बहुत पहले बंद हो गई।

इंदौर- भोपाल हाईवे पर ही 27 और 28 जून को तकरीबन 48 घंटों के महाजाम में तीन लोगों की मौत की ख़बर और उसके बाद सीहोर के नज़दीक एक धार्मिक समागम के दौरान लाखों श्रद्धालओं के जमावड़े में 7 लोगों की मौत हुई तथा घंटों तक हाईवे का ट्राफिक डायवर्ट रहा जिससे कितने ही लोगों को अकारण ही परेशानी उठाना पड़ी। लेकिन आश्चर्य है कि प्रशासन के माथे पर शिकन तक नहीं आई। इसके निहितार्थ किसी से छिपे नहीं है। किसी ने उफ तक नहीं की।

अब बात एक और प्रमुख हाईवे जयपुर-जबलपुर की। इस पर भोपाल से लेकर नरसिंहगढ़, ब्यावरा तक जगह-जगह गडढे हो जाने से हर कहीं पैबंद लगाने का काम चल रहा है। इसे स्थानीय बोली में थैगले लगाना भी कहते हैं। कई जगह रोड पर पेबल ब्लाक लगाकर गडढों को छिपाने का कार्य हुआ है। इस हाईवे पर गाड़ियां उछलती कूदती चलती है। बल्कि अनेक जगह आने वाले छोटे पुल-पुलियाओं की ऊंचाई रोड से अपेक्षाकृत अधिक होने से यह स्थिति बनी है। लेकिन इसके बावजूद यहाँ भी भारी-भरकम टोल बदस्तूर वसूला जा रहा है। श्यामपुर के नज़दीक बूथ पर यह राशि अत्यधिक प्रतीत होती है। इस हाईवे से राजगढ़ जिले से शासन के दो मंत्री, सांसद, विधायक और अन्य जिलों के जन प्रतिनिधि भी गुजरते ही होंगे लेकिन.....।

शहरों की बात की जाये तो मुंबई से लेकर दिल्ली तथा क्या भोपाल तथा इंदौर जैसे शहर सभी जगह इस बरसात में भारी बारिश से सड़कों पर जानलेवा गड्ढे, सड़कें बुरी तरह उधड़ने तथा कांक्रीट, रेत पर फिसलने से वाहन चालकों खास तौर से दुपहिया वाहन चालकों को होने वाली परेशानी को देखा, समझा जा सकता है। इनमें निश्चित ही अनेक के निर्माण को ज्यादा समय भी नहीं हुआ है।

इस साल देश के अनेक भागों में प्रभु कृपा कुछ ज्यादा ही बरसी है और अभी भी बरस रही है। फलतः मुंबई से लेकर जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड, बिहार, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र आदि राज्यों में कहीं बादल फटने, कम समय में अत्यधिक वर्षा होने जल प्लावन, जल भराव तथा बाढ़ और भूस्खलन, पहाड़ धसकने जैसी घटनाओं ने ना केवल जनजीवन को प्रभावित किया बल्कि जानमाल की भारी क्षति हुई। पानी में लोगों, घरों और वाहनों को पत्तों की तरह बहते देखा गया। बचाव दलों के प्रयास से अनेक लोगों का रेस्क्यू किया गया। यह सिलसिला अभी रुका नहीं है।

उम्मीद की तरह जीवन में आगमन

गणेश उत्सव

अदिति सिंह भदौरिया

लेखक स्तंभकार हैं।

'जहाँ आस्था होती है, वहाँ निराशा टिक नहीं पाती।

गणपति केवल देवता नहीं, जीवन की हर कठिनाई में उम्मीद का संबल हैं।'

संसार का हर इंसान किसी-न-किसी मोड़ पर निराशा, संघर्ष और असमंजस से गुजरता है। जबजीवन की राह कठिन हो जाती है, जब मनुष्य को अपने भीतर कोई सहारा नहीं दिखता, तब उसे किसी ऐसी शक्ति की तलाश होती है जो उसका हाथ पकड़कर अंधकार से उजाले की ओर ले जाए। भारतीय संस्कृति में यह शक्ति भगवान गणेश के रूप में हमारे समक्ष आती है। वे केवल एक देवता नहीं, बल्कि आशा और नई शुरुआत का प्रतीक हैं।

गणेश चतुर्थी का आगमन होते ही वातावरण में जैसे कोई मधुर स्पंदन फैल जाता है। ढोल-नगाड़ों की गूंज, 'गणपति बप्पा मोरया' के जयकारे और आरतियों की स्वर लहरियाँ मन को प्रफुल्लित कर देती हैं। घर-घर में गणेश की मूर्ति स्थापित होती है, पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ती है और हर दिशा से बस यही संदेश सुनाई देता है–'अब कोई विघ्न नहीं रहेगा, अब उम्मीद का दीपक जल उठा है।'

गणपति जी का स्वरूप ही जीवन का पाठ पढ़ाता है।

- उनका विशाल मस्तक हमें बताता है कि कठिनाइयों से पार पाने के लिए बड़ा सोचो।
- उनके छोटे नेत्र हमें सिखाते हैं कि लक्ष्य पर टिके रहो।
- बड़े कान कहते हैं–सुनो, समझो और फिर निर्णय लो।
- सूंड लचीलापन सिखाती है–समय चाहे जैसा हो, बदलना सीखो।
- और हाथ में रखा मोदक धैर्य का संदेश देता है–परिश्रम का फल अंततः मीठा ही होता है।

इस प्रकार, गणपति का हर अंग एक शिक्षा है, हर प्रतीक उम्मीद का एक नया बीज बोता है।जीवन की राह में विघ्न आना स्वाभाविक है। कभी आर्थिक तंगी, कभी पारिवारिक उलझनें, तो कभी मन का अकेलापन–यह सब हमें भीतर से तोड़ने लगता है। परंतु जब हम गणपति का स्मरण करते हैं, तो यह विश्वास जाग उठता है कि कोई शक्ति है जो हमें सँभाल रही है, जो हमारी राह से कांटे हटाकर फूल बिछा रही है। उनका नाम लेते ही मन में हिम्मत लौट आती है और उम्मीद का दीपक जल उठता है।

गणेश उत्सव केवल एक धार्मिक पर्व नहीं है, यह समाज को जोड़ने वाला उत्सव है। जब गली-गली में गणेश पंडाल सजते हैं, तो जाति, वर्ग, भाषा या क्षेत्र का कोई भेदभाव नहीं रह जाता। सब लोग एक ही आस्था के धागे में बंध जाते हैं। यही एकता और भाईचारा भविष्य की सबसे बड़ी उम्मीद है।

आज गणपति उत्सव पर्यावरण संरक्षण का वाहक भी बन गया है। लोग मिट्टी और प्राकृतिक रंगों से बनी मूर्तियाँ स्थापित करते हैं ताकि जल और धरती प्रदूषित न हों। यह बदलाव बताता है कि गणपति जी केवल पूजा के देवता नहीं हैं, बल्कि नई सोच और जिम्मेदारी का संदेश भी देते हैं।

जब इंसान हार मानने लगता है, जब वह सोचता है कि अब आगे कोई राह नहीं बची, तभी गणपति का स्मरण उसकी आत्मा को झकझोर देता है। उनकी आरती की धुन सुनते ही यह एहसास होता है कि अंधकार चाहे कितना भी गहरा क्यों न हो, एक छोटा-सा दीपक भी उसे चीर सकता है। गणपति वही दीपक हैं–जो जीवन की राह को रोशन करते हैं।

गणपति जी का आगमन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि हर दिल में नई आशा जगाने वाला पर्व है। वे हमें यह विश्वास दिलाते हैं कि कोई विघ्न स्थायी नहीं होता, और हर कठिनाई के बाद सफलता की राह खुलती है।

वास्तव में, गणपति जी हमारे जीवन में एक उम्मीद की तरह आते हैं। जो निराश मन को संबल देती है, बिखरे समाज को जोड़ती है और अंधकारमय राहों पर प्रकाश बिखेर देती है।

वक्रतुंड महाकाय, सूर्यकोटि समप्रभ।

निर्विघ्नं कुरु मे देव, सर्वकार्येषु सर्वदा॥

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी

कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल

संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी

स्थानीय संपादक
हेमंत पाल

प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

श्याम यादव

लेखक व्यंग्यकार हैं।

मियाँ बीवी राजी तो क्या करेगा काज़ी

एक चर्चित कहावत है मियाँ बीवी राजी तो क्या करेगा काज़ी। कहावत हिंदी की है और इसमें उपयोग किये गए सारे ही शब्द उर्दू के है। मियाँ, बीवी, राज़ी और काज़ी ये शब्द उर्दू के हैं। कहावत का सीधा सा मतलब है, पति और पत्नी के बीच तीसरे को दखल नहीं देना चाहिए। ये उनके आपस का मामला होता है। यानी ऊंट किस करवट बैठेगा इसका दवा करना मुश्किल है। अब यह ऊंट कि मर्जी पर निर्भर है कि वो किस तरफ बैठे। जब एक अबोले प्राणी के बारे में कोई दावा नहीं कर सकता,तो मियाँ बीवी के बीच का मुद्दा तो तीसरे को छोड़ ही देना चाहिए। इसी में उसकी भलाई होती है।

बावजूद इसके ऐसे अनेक लोग होते हैं। जिन्हें बस भनक लगनी चाहिए और ये मध्यस्थ पहुँच जाते हैं सुलह कराने। यानी ये ऐसे अवसरों की तलाश में ही रहते है। अवसर हाथ आते ही ये खुद ब खुद आगे आ कर बिन बुलाये मेहमान कि तरह पति पत्नी के बीच होने वाले झगड़ो में सुलह का दम भरने को तैयार रहते हैं।

चूंकि अब पूरी दुनिया सिमट गई है तो इस कहावत ने भी अपना दायरा बढ़ा लिया है। ये केवल मियां बीवी तक ही सीमित नहीं रह गई है। अब ये हमारी देशी कहावत घर, परिवार, प्रान्त और देश को पार करते हुए कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंच गई है। उर्दू शब्दों से हिन्दी में बनी इस कहावत में भाषा का कोई अवरोध भी अंतराष्ट्रीय स्तर पर नहीं आया। इस कहावत का मतलब किसी भी भाषा में वही निकलता है जो हिन्दी में होता है।

आपको यकीन नहीं आ रहा होगा, लेकिन कुछ लोग हैं,या यूँ कहे कि कुछ देशों के मुखिया हैं जो हर जगह मध्यस्थता करने के लिए पहुंच जाते हैं। हाल ही में भारत और पाकिस्तान के बीच हुई झड़प में भी ये मध्यस्थता का दावा करते दिखाई दिए और एक बार नहीं कई बार विभिन्न मंचों पर इन्होंने अपना दवा दोहराया भी। लेकिन इनके दावे की हवा निकल गई और इनकी बुरी तरह भद पिट गई। इसके बाद भी इनका मध्यस्थता करने का भूत नहीं उतरा और इनकी मध्यस्थता वाली बेताबी ने जोर मारा और ये विश्व के अनेक देशों के बीच मध्यस्थता कराने के दावे करने लगे। अपनी नई पारी में आने के बाद से ही ये जिस मध्यस्थता का दावा करने का दम भर रहे थे। वह भी फेल हो गया, यानी मियां बीवी राजी तो क्या करेगा काजी आप समझ ही गए होंगे कि हाथ कंगन को आरसी क्या पढ़े-लिखे को फारसी क्या! जी हाँ, बात रूस और यूक्रेन की हो रही है। ये ज़नाब मध्यस्थता कराने चले थे। मियां बीवी दोनों में से एक को छोड़कर खुद मध्यस्थता करने को तैयार थे। अरे सीधा सा गणित है,जब मियां बीवी दोनों आमने सामने नहीं राजी नहीं होगें तो मध्यस्थता कैसे कोई करा सकता है? हिन्दुस्तान में ऐसी कहावतें है जो सदियों से चली आ रही हैं और आज भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डंका बजा रही हैं।

कानून और न्याय

विनय झैलावत

(पूर्व असिस्टेंट सॉलिसिटर जनरल एवं वरिष्ठ अधिवक्ता)

जनहित याचिका बुनियादी मानवाधिकारों की संरक्षक

जनहित याचिका का अर्थ है जनहित की भावना से प्रस्तुत मुकदमा। इसी प्रकार, जनहित याचिका एक ऐसी कानूनी कार्रवाई है जो मुख्य रूप से जनता के लाभ के लिए है। इसमें उन शिकायतों का समाधान करने के लिए प्रस्तुत की जाती है जिनके कारण आम जनता के कानूनी अधिकार या दायित्व किसी भी तरह से प्रभावित हो रहे हो। संविधान में जनहित याचिका जैसी अवधारणा के निर्माण के दौरान, इसका एक उद्देश्य था।

अभी हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने एक लोकहित याचिका में इस प्रश्न पर विचार किया कि किन मामलों में न्यायालयों को लोकहित याचिकाओं पर विचार किया जाना चाहिए। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई, न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एसएस चंदूकर की तीन सदस्यीय खंडपीठ ने याचिकाकर्ता घनश्याम दयालु उपाध्याय द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। इस याचिका में न्यायालय से अनुरोध किया गया था कि वह सभी राज्य चुनाव आयोगों को एक संयुक्त योजना बनाने का आदेश दे, ताकि देश में राजनीतिक दलों की उन अवैध गतिविधियों पर नजर रखी जा सके। उन पर अंकुश लगाया जा सके जो भारत की संप्रभुता, अखंडता और एकता को खतरे में डालने का प्रयास करती है।

याचिका की सुनवाई की शुरुआत में, मुख्य न्यायाधीश गवई ने गहरी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने सवाल किया कि याचिकाकर्ता ने संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत बॉम्बे उच्च न्यायालय का रुख क्यों नहीं किया? याचिकाकर्ता ने इससे परे अनुच्छेद 32 के तहत सर्वोच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र का हवाला दिया। याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि मांगी गई राहत का दायरा सभी राज्य चुनाव आयोग तक फैला हुआ है। इसलिए, एक भी उच्च न्यायालय इस तरह के अखिल भारतीय निर्देश नहीं दे सकता है। इस पर सर्वोच्च न्यायालय पीठ ने स्पष्ट किया कि ऐसी परिस्थितियों में भी, उच्च न्यायालय जहां भी याचिका का कोई हिस्सा उसकी क्षेत्रीय सीमाओं के भीतर उत्पन्न होता है, अधिकार क्षेत्र का प्रयोग कर सकता है।

मुख्य न्यायाधीश गवई ने टिप्पणी की कि वर्तमान याचिका एक प्रचार हित याचिका के अलावा और कुछ नहीं है। हालांकि जनहित याचिकाएं नागरिकों के अधिकारों की रक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण साधन है। पीठ ने कहा कि हमने बार-बार न्यायिक दुस्साहस को अस्वीकार किया है। यह याचिका न केवल केंद्र सरकार और भारत के चुनाव आयोग से संबंधित नीतिगत मामलों से जुड़ी है, बल्कि यह भी स्पष्ट नहीं करती है कि याचिकाकर्ता ने उच्च न्यायालय के समक्ष समान रूप से प्रभावी उपाय का उपयोग किए बिना सीधे इस न्यायालय का रुख क्यों किया। जब वकील ने अपनी दलीलें जारी रखने की कोशिश की, तो मुख्य न्यायाधीश ने नाराजगी जाहिर करते हुए कड़ी चेतावनी देते पीठ ने कहा कि हम आपको एक बार अवमानना से बचा चुके हैं। क्या आप चाहते हैं कि हम फिर से नोटिस जारी करें? इस पर,

याचिकाकर्ता ने याचिका वापस लेने का अनुरोध किया। इस पर पीठ ने अनुमति देते हुए कानून के अनुसार उचित कानूनी मंच पर जाने की स्वतंत्रता प्रदान की।

जनहित याचिका का अर्थ है जनहित की भावना से प्रस्तुत मुकदमा। इसी प्रकार, जनहित याचिका एक ऐसी कानूनी कार्रवाई है जो मुख्य रूप से जनता के लाभ के लिए है। इसमें उन शिकायतों का समाधान करने के लिए प्रस्तुत की जाती है जिनके कारण आम जनता के कानूनी अधिकार या दायित्व किसी भी तरह से प्रभावित हो रहे हो। संविधान में जनहित याचिका जैसी अवधारणा के निर्माण के दौरान, इसका एक उद्देश्य था। मूल रूप से संविधान निर्माताओं के लक्ष्यों, जैसे कानून का शासन, हितों का संतुलन, तर्कसंगतता और मनमानी न करना, को प्राप्त करना और उन्हें गति प्रदान करना मुख्य था। यह भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 19 और 21 के संदर्भ में संवैधानिक भावना के आवश्यक सिद्धांत हैं।

जनहित याचिका के प्रावधानों का आशय और मुख्य रणनीति उन लोगों के लिए न्याय प्रणाली को सुलभ बनाना था, जो निरक्षरता, गरीबी, पिछड़ेपन आदि जैसे विभिन्न कारणों से अदालतों का रुख नहीं कर सकते है। इसलिए, जनता के किसी भी व्यक्ति को समग्र जनता की ओर से उपस्थित होने की अनुमति है। लेकिन, ऐसे मामलों में पर्याप्त जनहित के साथ-साथ जन क्षति के साथ सामान्यतः, याचिकाकर्ता पर यह साबित करने का दायित्व होता है कि कार्रवाई का कारण सार्वजनिक भावना है, न कि किसी प्रकार के दुर्भावनापूर्ण उद्देश्य अथवा स्वयं का व्यक्तिगत हित। दुर्भाग्यवश, 21वीं सदी में जनहित याचिका प्रचार/राजनीतिक हितों की पूर्ति का पर्याय बन गई है। कई कानूनी पेशेवर, मध्यम वर्ग के लोग, जिनमें ज्यादातर मशहूर हस्तियां शामिल जो इसका कई बार दुरुपयोग करते हैं। इसे जनता का ध्यान आकर्षित करने, प्रचार और प्रसिद्धि पाने के साधन के रूप में इस्तेमाल करते हैं।

जनहित याचिका एक ऐसा हथियार है जिसका इस्तेमाल बहुत सोच-समझकर और सतर्कता से किया जाना चाहिए। न्यायपालिका को भी इस बात का पूरा ध्यान रखना चाहिए कि जनहित की आड़ में, भारी निजी प्रतिशोध, व्यक्तिगत हित और जोखिम की तलाश न छिपी हो। इसका इस्तेमाल सतर्कता के साथ किया जाना चाहिए। नागरिकों को न्याय दिलाने के लिए कानून के शस्त्रागार में एक मजबूत लेकिन संवेदनशील हथियार के रूप में इसका सावधानीपूर्वक इस्तेमाल किया जाना चाहिए। जनहित याचिका के आकर्षक पहलू का इस्तेमाल संदिग्ध या कपटपूर्ण उद्देश्यों के लिए नहीं किया जाना चाहिए। इसका ध्यान वास्तविक समस्याओं के निवारण या बड़े पैमाने पर सार्वजनिक क्षति पर होना चाहिए, न कि केवल प्रचार या लोकप्रियता हासिल करने पर। जनहित की व्याख्या सख्ती से की जानी चाहिए। यह जनहित के लिए है और इसका किसी भी मामले में दुरुपयोग नहीं किया जाना चाहिए। कोई भी जनहित याचिका न्यायालय में स्वीकार्य नहीं है जो बिना किसी प्रत्यक्ष उद्देश्य के दायर की गई हो।

सर्वोच्च न्यायालय ने पहले भी कई जनहित याचिकाओं में यह माना है कि चाहे कोई भी मामला कितना भी वास्तविक क्यों न हो, उसे जनहित याचिका के रूप में न्यायालय के समक्ष निरंतर ध्यान में रखा जाता है। लेकिन न्यायालय का यह पहला और सबसे महत्वपूर्ण कर्तव्य है कि वह याचिकाकर्ता और उसके पक्ष की विश्वसनीयता की संक्षिप्त जांच करे, जो जनभावनाओं के अनुरूप होनी चाहिए। यदि याचिकाकर्ता ने जनहित याचिका के प्रभावी साधन का किसी भी प्रकार के तुच्छ उद्देश्यों के लिए दुरुपयोग किया है, तो न्यायालय न्यायपालिका का बहुमूल्य समय बर्बाद करने के लिए याचिकाकर्ता को दंडित करने और जुर्माना लगा सकता है। अनुच्छेद 32 के तहत जनहित याचिका का उपयोग किसी नीति के विरुद्ध अपनी राय निर्धारित करने या प्रदर्शित करने के उद्देश्य से नहीं किया जा सकता है। इसकी व्याख्या सख्ती से की जानी चाहिए। इसका उपयोग केवल आम जनता के मानवाधिकारों के उल्लंघन के मामलों में ही किया जाना चाहिए।

वर्तमान में, बड़ी संख्या में लोग, जिनमें कई बार अपने-अपने क्षेत्र की मशहूर हस्तियाँ शामिल होती हैं, जनहित याचिकाओं का दुरुपयोग कर रहे हैं। इनका उद्देश्य जनभावना के नाम पर लोकहित को रोकने के लिए याचिकाएं दायर करना है, जो एक प्रकार का अपराध है। यद्यपि, जनहित याचिकाओं की विश्वसनीयता की जांच करने के लिए पहले से ही प्रक्रियाएं मौजूद हैं। लेकिन, न्यायपालिका प्रणाली को जनहित याचिका की वास्तविकता के मूल्यांकन के संबंध में अधिक सख्त मूल्यांकन अपनाना चाहिए। यदि अदालतें जनहित याचिका के नाम पर मामलों के मुक्त प्रवाह को प्रतिबंधित नहीं करती हैं, तो पारंपरिक मुकदमेबाजी को नुकसान होगा। जनहित याचिकाओं को केवल उन मामलों में अनुमति दी जानी चाहिए जहां किसी समूह या वर्ग कार्रवाई द्वारा मौलिक अधिकारों का घोर उल्लंघन होता है। केवल ऐसी याचिकाओं को सुना जाना चाहिए जहां बुनियादी मानवाधिकारों पर आक्रमण हो अथवा ऐसे कृत्यों की शिकायत हो जो न्यायिक विवेक को झकझोर के लिए पर्याप्त है।

न्यायालय की यह जिम्मेदारी है कि वह आकलन करे कि जनहित याचिका वास्तविक है अथवा नहीं। उसमें कानूनी तंत्र का दुरुपयोग तो नहीं है। यदि वह केवल व्यक्तिगत लाभ के लिए छद्म मुकदमा है, तो उस पर कठोर दंड लगाया जाना चाहिए। जनहित याचिका मूलतः आम जनता के बुनियादी मानवाधिकारों की रक्षा के लिए है। यह विधायिका और कार्यपालिका के कार्यों और शक्तियों में हस्तक्षेप करने के लिए नहीं है। इसलिए, जनहित याचिका का उद्देश्य सार्वजनिक नीतियों का पक्ष लेना है, उनकी आलोचना करना या उन पर चर्चा करना नहीं।

निर्मल हास्य

रमेश रंजन त्रिपाठी

लेखक स्तंभकार हैं।

कुत्ते तो कुत्ते होते हैं

कुत्ते बेचारे चौदह हजार सालों से पाले जाने का सुख और दुख झेल रहे हैं। अब तो वे इंसानी संगत के इतने आदी हो चुके हैं कि अपनी खानपान, रहन-सहन की मौलिक शैली भी भूल गए हैं। उन्हें घी हजम नहीं होता फिर भी खा लेते हैं। कुत्ते निर्लज्ज होकर सचमुच कुत्ते की जिंदगी जीने लगे हैं, कुत्ते की मौत मरने लगे हैं। उन्होंने करत करत अभ्यास के अपनी दुम को सीधा न होने देने का हुनर हासिल कर लिया है। कुत्तों की लगन और मेहनत का फल है जो वे न घर के रहे न घाट के। चौकीदारी की ड्यूटी बजाते हुए गहरी नींद से इतने दूर हो गए कि 'श्वान निद्रा' मुहावरा बन गया।

कुत्तों के भय से मुक्ति पाने के लिए विदूषक ने टोटका ईजाद किया है कि बॉलीवुड मूवी की उस क्लिप को दिन में दो बार देखें जिसमें क्रोध से भरा हुआ अभिनेता दहाड़ रहा है, 'कुत्ते कमीने! मैं तेरा खून पी जाऊंगा'। डरपोक लोगों के अलावा दो तरह के डॉग लवर्स होते हैं, एक, कुत्तों को खाना खिलाकर खुश हो जानेवाले और दूसरे, कुत्तों को पालनेवाले। एक श्रेणी उन बच्चे, बूढ़े और जवानों की भी होती है जो कुत्तों से काट खाकर इंजेक्शन लगवाने का फर्ज अदा किया करते हैं। देश में हर साल हजारों लोग कुत्ता काटने से मरते भी हैं।

कुत्ते बेचारे चौदह हजार सालों से पाले जाने का सुख और दुख झेल रहे हैं। अब तो वे इंसानी संगत के इतने आदी हो चुके हैं कि अपनी खानपान, रहन-सहन की मौलिक शैली भी भूल गए हैं। उन्हें घी हजम नहीं होता फिर भी खा लेते हैं। कुत्ते निर्लज्ज होकर सचमुच कुत्ते की जिंदगी जीने लगे हैं, कुत्ते की मौत मरने लगे हैं। उन्होंने करत करत अभ्यास के अपनी दुम को सीधा न होने देने का हुनर हासिल कर लिया है। कुत्तों की लगन और मेहनत का फल है जो वे न घर के रहे न घाट के। चौकीदारी की ड्यूटी बजाते हुए गहरी नींद से इतने दूर हो गए कि 'श्वान निद्रा' मुहावरा बन गया। यदि इसे पेटेंट करा लें तो वे मालामाल हो जाएं। जानवरों में कुत्ते ही हैं जो गुर्रा सकते हैं, भौंक सकते हैं और रो

सकते हैं। उनके इन सद्गुणों को मनुष्य ने भी सहर्ष अपना लिया है। रेबीज ने यूँ तो सभी जानवरों को अपने प्रचार प्रसार का काम सौंप रखा है लेकिन कुत्ते जितनी शिद्दत से इंसानों और उनकी गाड़ियों के पीछे भाग-भागकर इस महती काम को पूरा करने के लिए प्राणपण से जुटे रहते हैं उसकी मिसाल मिलना मुश्किल है। लगता है इनके सामने रेबीज द्वारा दिए गए टार्गेट के पूरा करने की कोई खास मजबूरी होती है जो ये बच्चों तक को नहीं बख्शते। भाषाविद् बता सकते हैं कि 'काटने को दौड़ना' मुहावरे का कुत्तों से क्या संबंध है?

सनातन संस्कृति में श्वान का धार्मिक महत्व भी खूब है। श्वान को भैरव देव का वाहन माना जाता है। भैरव भगवान शिव के ही एक स्वरूप हैं। कुकुर की सूंघने और सुनने की क्षमता इंसानों से अधिक होती है। वफादारी के तमगे हासिल करने में वे बहुत आगे रहते हैं। मुकद्दर के धनी होते हैं कुत्ते। महंगी लक्जरी गाड़ियों से उतरते समय मालकिन की गोद नसीब होना इसका प्रमाण है। सेना और पुलिस को भी कुत्ते अपनी सेवाएं देते हैं। दुनिया भर की अनेक फ़िल्मों में कुत्ते मेन रोल निभाते हैं। 'तेरी मेहरबानियाँ' की याद तो होगी ! फिल्मी कुत्तों ने 'घायल' और 'घातक' हीरो की कैसी और कितनी मदद की है, बताने की जरूरत है क्या?

कुत्तों की समझदारी का सबसे बड़ा सबूत है उसका अपनी दुम का अधिकतम सदुपयोग करना। पूंछ तो कई पशुओं के पास होती है लेकिन वे उसका सीमित इस्तेमाल करते हैं। शोध का विषय हो सकता है कि जैसे इंसान दुम न होते हुए भी उसे कुत्ते की तरह हिलाना सीख लेता है, बाकी जानवर क्यों नहीं कर पाते? कुकुर बड़ा चतुर होता है, वह केवल दुम नहीं हिलाता, बल्कि उसके साथ पैरों, जीभ और स्वरनलिका का अद्भुत तालमेल बनाते हुए चाटुकारिता की उस परमोच्च अवस्था तक पहुंच जाता है जहाँ सामने के दोनों पैरों को मालिक पर टिकाकर कूँ कूँ की आवाज़ निकालते हुए जीभ से गालों को चाटा जाता है। इस क्रिया के लिए तेज़ी से हिलती हुई दुम पॉवर सप्लाई का काम करती है। दिन में एक-दो बार मालिक के आने-जाने के समय की जानेवाली इतनी सी एक्सरसाइज श्वान को ऐसी ऐसी सुख सुविधाएं दिला देती है जो कई के लिए स्वप्नवत् हो सकती हैं।

कुत्ता इंसान का पहला पालतू साथी है, जो वफादारी और विश्वसनीयता के चलते मानव समाज में लगातार अपनी उपयोगिता बनाए हुए है। दुनिया में लगभग नब्बे करोड़ कुत्ते हैं जिसमें से सैंतालीस करोड़ पालतू हैं। कुत्तों को केवल सिखाया ही नहीं, उनसे बहुत कुछ सीखा भी जा सकता है।

सेहत

डॉ. अंशुल उपाध्याय

लेखक यूजीसी में सीनियर रिसर्च एसोसिएट रह चुकी हैं।

निरोगी काया के लिए कुछ बदलें कुछ सुधारें आदतें

अगर आप बीमार है, और इलाज ढूंढ रहे हैं तो आपको अपनी बीमारी पर चारो तरफ से वार करने की आवश्यकता है। कहने का तात्पर्य ये है कि, जब भी आपको मामूली बुखार, या सर्दी-खांसी होता है तो,आप डॉक्टर के पास जाकर एलोपैथी दवाई ले आते हैं। और तीन-चार दिन में ठीक हो जाते हैं। उसके बाद फिर उसी रूटीन लाइफ में आ जाते हैं। परंतु वह तीन-चार दिन भी जब आप बीमार हुए थे तब आपका शरीर तो अंदर से कमजोर हो गया और फिर कुछ दिनों बाद वापस वही सर्दी खांसी आपको लौट कर आएगी। एलोपैथी तुरंत आराम तो दे देती है पर वो आपके मर्ज को सिर्फ दवा कर रखती हैं उसे पूरी तरह से ठीक नहीं करती। ठीक तो आपके शरीर को खुद आपका शरीर ही करता है। इसलिए अगर किसी भी बीमारी का आप जड़ से इलाज चाहते हैं तो अपनी दैनिक जीवन चर्या में कुछ चीजों को आपको शामिल करना होगा।

व्यायाम-प्राणायाम बने जीवन का हिस्सा

रोज प्रातः हल्का पैदल चलना या कुछ व्यायाम अवश्य करना चाहिए। उसके बाद मानसिक स्वास्थ्य के लिए प्राणायाम भी अवश्य करें। यह हो गया शारीरिक और मानसिक व्यायाम। ये न केवल आपकी ओबेसिटी पर प्रहार करेगा बल्कि आपके शरीर का मेटाबॉलिज्म भी बढ़ाएगा।

भोजन को चुनने में रखे सावधानी

आपको अपने भोजन पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। हफ्ते में अगर आप दो दिन तला भुंजा खा रहे हैं तो 4 दिन सादा भोजन करे। हो सके तो हफ्ते में एक दिन 15 से 20 घंटे का उपवास अवश्य करें। इसके पश्चात भोजन में आप क्या ग्रहण कर रहे हैं, उस पर भी आपको ध्यान देना चाहिए। क्योंकि,जो अनाज आप खा रहे हैं वह विभिन्न तरह के रासायनिक छिड़काव होने के बाद आपको प्राप्त हो रहा है। अगर आप उसे खा रहे हैं तो बीमारियों को खुद निमंत्रण दे रहे हैं। इसके विपरीत यदि आप जैविक खेती के द्वारा उत्पन्न कीटनाशी मुक्त अनाज जिसको कि आप ऑर्गेनिक कहते हैं वह खा रहे हैं, तो उसके द्वारा बहुत सी बीमारियों की संभावनाओं को तो आपने वैसे ही दूर कर दिया है। क्योंकि ÷जैसा खायेंगे अन्न वैसा ही रहेगाआपका मन÷ कीटनाशी युक्त भोजन आपके पेट में जाकर आपको नुकसान ही पहुंचाता है, आपके शरीर में यूरिया की मात्रा को बढ़ा देता है। किडनी, लीवर की समस्याएं बढ़ाने वाला है। साथ ही साथ कई तरह के कैंसर सेल के विकास में भी यह कीटनाशी सहायता प्रदान करते हैं। इसलिए कोशिश करें कि भले थोड़ा महंगा अनाज खरीदे पर ऑर्गेनिक अनाज ही खरीदे और खाए। कीटनाशक युक्त अनाज और सब्जियां पाचन में भी अधिक समय लेते हैं। और वह जितने समय तक आपके शरीर के अंदर के फंक्शन में सफर करते रहते हैं,उतना ज्यादा उनके हार्मफुल इफेक्ट आपके शरीर को होते हैं जिनमें कब्ज, एसिडिटी की समस्या तो आम बन गई हैं।

भोजन पकाने के बर्तनों पर भी दें ध्यान

पीतल, तांबे के बटुए में बना हुआ भोजन ही खाएं। पीतल के बटुए को भीतर से रांगा की पॉलिश करवा लें इससे दही मट्ठेका भी अगर आप प्रयोग करके कुछ बना रहे हैं तो वह नुकसान नहीं करेगा। साथ ही एल्युमिनियम के बर्तनों को अपने किचन से निकाल दीजिए। बिल्कुल बहिष्कृत कर दीजिए। चाहे कढ़ाई हो, कुकर हो या भगोनी हो। क्यूंकि, एल्युमिनियम में ऐसा तत्व पाया जाता है जो आपकी याददाश्त को प्रभावित करता है और यह धीरे-धीरे आपके भूलने की प्रवृत्ति को बढ़ता जाता है। हमारे देश में पहले एल्युमिनियम का उपयोग नहीं किया जाता था। पर जब अंग्रेज भारत आए तो अपने साथ एल्यूमीनियम ले कर आए और उसका कारण ही यही था कि भारत के लोग जो इतने बुद्धिमान और सृजनशील थे तो इनके दिमाग को सुस्त करके इन पर राज कैसे किया जाए। इसलिए अंग्रेजों ने एल्युमिनियम के बर्तनों का

चलन भारत में बढ़ा दिया । सस्ता होने के कारण लोग उन्हें खूब खरीदने भीलगे। अंग्रेज स्वयं तो पीतल, तांबे और सोने, चांदी के बर्तन उपयोग करते थे। कांच के और चीनी मिट्टी के बर्तन उपयोग करते थे। पर भारतीयों को उनके पीतल और कांसे से उन्होंने धीरे-धीरे दूर कर दिया। आज लगभग हर घर में आपको एल्युमिनियम के कढ़ाई, कुकर आसानी से देखने मिल जाएंगे जो कि आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत ही हानिकारक है ।

एलोपैथी दवाइयों का उपयोग करें सीमित

अगर आप स्वस्थ रहना चाहते है तो एलोपैथिक दवाइयो से भी थोड़ी दूरियां बना लें। थोड़ी बहुत सर्दी-खांसी के इलाज के लिए दो या तीन दिन तक तो आप कोई भी दवाई ना खाएं घर पर ही बना तुलसी-अदरक का काढ़ा पीए,जिसमें हल्दी-गुड़ का उपयोग भी कर सकते हैं। विटामिन सी युक्त पदार्थ नींबू, मौसंबी, आंवला का भी प्रयोग करते रहना चाहिए। जो भी जिस सीजन में आपको उपलब्ध हो।

इस तरह से घरेलू उपाय कीजिए। यदि बहुत अधिक बड़ी कुछ समस्या है जिसका घर पर इलाज संभव नहीं है उसके लिए ही एलोपैथी की तरफ जाए कहने का तात्पर्य ये है की, जरा सा सर दर्द हुआ थोड़ा बॉडी एक हो रहा है, थोड़ी सर्दी खांसी हो गई फटाफट एलोपैथी गोली खा ली ये कितना आसान हैं पर इससे आपको एक या दो दिन में आराम तो मिल जाएगा पर उसके जो साइड इफेक्ट होंगे वह आपकी बॉडी के जो इंटरनल ऑर्गन्स है, उनको,आपकी नसों को ब्लॉक करने में और अन्य दूसरे बीमारियों को जनित करने में अपना योगदान निभाते रहेंगे। इसलिए जितना हो सके एलोपैथी से परहेज कीजिए अगर आप युवा है, बच्चे हैं तो आप पूरी तरह से एलोपैथी को ना कर सकते हैं। आपके शरीर में खुद अपने आप को इम्यून कर लेने की क्षमता होती है।

पीने के पानी पर भी दें ध्यान

पानी से ही हमारा शरीर बना है और हमारे शरीर में पानी की मात्रा ही सबसे अधिक होती हैं। सो पीने के लिए हमेशा नेचुरल पानी का ही उपयोग करना चाहिए। प्लास्टिक की बोतलों में अगर पानी आप ले रहे हैं तो पहले इसे मटके में डालिए और उसके बाद उपयोग कीजिए और अधिक शुद्ध करना चाहते हैं तो ठंड के समय में तांबे-पीतल के घड़े में पानी राखिए इसके भीतर एक चांदी का सिक्का डाल दीजिए और गर्मियों के समय में मिट्टी के घड़े में पानी रखिए और इसके अंदर एक तांबे का और एक चांदी का सिक्का डाल दीजिए इसके बाद जो आप यह पानी पियेंगे तो यह पूरी तरीके से शुद्ध पानी होगा । जो आपके शरीर में जाएगा। आर.ओ. के पानी का पी.एच.भी समय-समय पर चेक करवाते रहें।

ऊपर जो लिखा है आपको बस इतना ही करने की आवश्यकता है, यह सब कार्य आपके शरीर को इतना मजबूत बना देंगे कि, आपका शरीर छोटी-बड़ी बीमारियों से खुद ही अपने आप को इम्यून कर लेगा और आपको कभी भी किसी भी दवाई की जरूरत नहीं पड़ेगी तथा बड़ी से बड़ी बीमारी से भी आपका शरीर बचा रहेगा।

50 लाख की लागत से बना गैस चलित शवदाह गृह, लेकिन शुरू नहीं

लोग लकड़ियों के सहारे कर रहे शवों का दाह संस्कार

बैतूल। प्रदूषण कम करने और लकड़ी की खपत रोकने नगरपालिका ने कोठीबाजार मोक्षधाम में 50 लाख रुपए खर्च कर गैस शवदाह गृह बनवाया है। यहां बिल्डिंग तैयार है, चिमनी और मशीनों का इंस्टालेशन भी हो चुका है। अंदर फिनिशिंग का कुछ काम बाकी है और सबसे बड़ी समस्या है संचालन। यह स्पष्ट नहीं है कि मशीन चलाएगा कौन और इसे संचालित करने की प्रक्रिया क्या होगी। यही वजह है कि मशीन की टेस्टिंग तक नहीं हो सकी। विगत छह माह से मशीनें आकर पड़ी हैं, लेकिन इसकी टेस्टिंग भी अभी तक नहीं की गई है। बता दे कि कोरोना काल में शवदाह की परेशानी को देखते हुए नगरपालिका ने गैस चलित शवदाह गृह बनाने को मंजूरी दी थी, लेकिन साढ़े तीन साल गुजर जाने के बाद भी अभी तक शवदाह गृह शुरू नहीं हो पाया है। नगरपालिका अधिकारी भी इसे शुरू करने की ओर ध्यान नहीं दे रहे है। बताया गया कि निर्माण कार्य शुरू होने के बाद प्रोजेक्ट की लागत बढ़ने पर इसे रिवाइज भी किया था, लेकिन अभी तक काम पूरा नहीं हो सका है।

लकड़ी से दाह संस्कार महंगा, समय भी लगता है ज्यादा ....

परंपरागत शवदाह के लिए चार से पांच क्विंटल लकड़ी लगती है, जिस पर चार से साढ़े चार हजार रुपए तक खर्च आता है। गरीब परिवारों के लिए यह बड़ी चुनौती है। बारिश में गीली लकड़ी के कारण दाह संस्कार में कई घंटे लग जाते हैं। वर्तमान में बारिश का मौसम होने के कारण लोगों को दाह संस्कार के दौरान काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि गैस चलित शवदाह गृह में दो एलपीजी सिलेंडर के उपयोग से मात्र 30 मिनट में दाह संस्कार

संभव हो जाता है। इसके अलावा खर्च भी कम और चिमनी के जरिए धुएं को फिल्टर कर बाहर छोड़ा जा सकता है। जिससे प्रदूषण में कमी आयेगी बताया गया कि लकड़ी पर निर्भरता खत्म करने और पर्यावरण प्रदूषण कम करने का यह प्रयास लेटलतीफी का शिकार हो गया है।

कोरोना काल के बाद नपा ने लिया था बनाने का निर्णय ....

कोरोना काल के दौरान शवदाह को लेकर आई कठिनाइयों के बाद नगरपालिका ने गैस चलित शवदाह गृह बनाने का निर्णय लिया। परिषद से स्वीकृति के बाद टेंडर जारी कर कोठीबाजार मोक्षधाम में निर्माण शुरू हुआ, ठेकेदार ने बिल्डिंग तैयार करने में ही दो साल निकाल दिए। इसके बाद बिल्डिंग तैयार हुई और मशीने भी आ गई। चिमनी और मशीनों का इंस्टालेशन भी हो चुका है। लेकिन गैस चलित शवदाह गृह शुरू नहीं हो पाया है। लोग आज भी लकडि़यों के सहारे ही शवों का दाह संस्कार कर रहे है। जानकार बताते है कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि मशीन चलाएगा कौन और इसे संचालित करने की प्रक्रिया क्या होगी?

इनका कहना है -

कोठीबाजार मोक्षधाम में शवदाह गृह के अंदर फिनिशिंग का काम अधूरा हैं, जिसे पूरा कराया जाना अभी बाकी है। इसके बाद गैस चलित शवदाह गृह का संचालन शुरू किया जायेगा।

- सतीश मटसेनिया, सीएमओ नगरपालिका बैतूल

सेन थॉम एकेडमी ने इंटरस्कूल हेरिटेज क्विज़ में मारी बाज़ी

देवास। सेन थॉम एकेडमी, भोपाल रोड ने अनामय स्कूल में आयोजित इंटरस्कूल हेरिटेज क्विज़ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में शहर के सात विद्यालयों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी तीव्र बुद्धि, टीम भावना तथा सांस्कृतिक धरोहर के प्रति गहरी रुचि का प्रदर्शन किया। सेन थॉम एकेडमी का प्रतिनिधित्व सुदर्शन गोट्टी (कक्षा V), कार्तिक पंत (कक्षा IV) और धैर्यवी सिसोदिया (कक्षा III) ने किया। उनके उत्कृष्ट सामंजस्य और ज्ञान ने उन्हें प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दिलाया। यह क्विज़ न केवल विद्यार्थियों के ज्ञान की परीक्षा थी, बल्कि इसने टीम भावना और त्वरित सोच को भी उजागर किया। रोमांच से भरे माहौल में टीमें कई चुनौतीपूर्ण चरणों से गुज़रीं। अंततः, सेन थॉम एकेडमी विजेता बनकर उभरी और विजेताओं को स्मृति-चिह्न और प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यालय प्रबंधन, प्राचार्य एवं समस्त स्टाफ ने विजेताओं को उनकी उपलब्धि पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रदेश को मिलेंगे 4 नए मेडिकल कॉलेज, मुख्यमंत्री डॉ.यादव करेंगे नवाचारों का शुभारंभ

बैतूल के जिला अस्पताल में आयोजित होगा जिला स्तरीय कार्यक्रम

बैतूल। नेताजी सुभाष चन्द्र बोस कल्चरल इन्फॉर्मेशन सेंटर जबलपुर में 25 अगस्त को आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव द्वारा पीपीपी मॉडल पर 4 नवीन चिकित्सा महाविद्यालय की स्थापना के लिए अनुबंध हस्ताक्षर श्योपुर एवं सिंगरौली में नवीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय के प्रारंभ होने की घोषणा की जाएगी। इस दौरान लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग अंतर्गत विभिन्न नवाचारों का शुभारंभ किया जाएगा। इस अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम सोमवार को जिला अस्पताल बैतूल के एमसीएच भवन में दोपहर 2.30 बजे आयोजित किया जाएगा। इस दौरान जबलपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का लाइव प्रसारण बड़ी स्क्रीन के माध्यम से देखा जाएगा। सीएमएचओ डॉ. हुरमाड़े ने बताया कि जबलपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ.यादव द्वारा 8 लाख वय वंदना पीवीसी कार्ड वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ, स्मार्ट चैटबॉट आयुष्मान सखी का शुभारंभ, स्वस्थ यकृत मिशन अंतर्गत 1 करोड़ स्क्रीनिंग की पूर्णता उपलब्धि की घोषणा, 'आशाओं से सीधा संवाद' पहल का शुभारंभ, गर्भावस्था पोषण पर प्रचार-प्रसार सामग्री पोस्टर एवं नवीन मातृ शिशु सुरक्षा कार्ड का शुभारंभ किया जाएगा।

नगर में गणेश उत्सव की धूम, बाजार में सजने लगी गणेश प्रतिमाओं की दुकानें

सारणी। आगामी गणेश चतुर्थी को लेकर नगर में उत्साह का माहौल है। गणपति बप्पा के स्वागत की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। बाजारों में गणेश जी की मूर्तियों की दुकानें सजने लगी हैं। छोटे-बड़े और आकर्षक डिज़ाइन की मूर्तियाँ श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित कर रही हैं। बाजार में पारंपरिक मूर्तियों के साथ-साथ आधुनिक डिज़ाइन और रंगों वाली मूर्तियां भी उपलब्ध हैं। दुकानदारों का कहना है कि इस बार खरीदारों की विशेष रुचि इको-फ्रेंडली मूर्तियों में दिखाई दे रही है। मिट्टी से बनी मूर्तियाँ और प्राकृतिक रंगों से रंगी प्रतिमाएँ ज्यादा बिक रही हैं। सिर्फ मूर्तियाँ ही नहीं, बल्कि पूजा सामग्री, सजावटी सामान, रंग-बिरंगी झालर और लाइटिंग से भी बाजार गुलज़ार हैं। शाम होते ही मुख्य बाजारों में भीड़ बढ़ने लगती है और लोगों में गणेशोत्सव को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। स्थानीय गणेश मंडलों ने भी भव्य पंडाल सजाने की तैयारियां शुरू कर दी हैं। जगह-जगह समितियों द्वारा सजावट की रूपरेखा बनाई जा रही है। कई मंडलों ने थीम-आधारित पंडाल बनाने की योजना बताई है, वहीं बच्चों में झांकियों को लेकर उत्सुकता है। गणेश चतुर्थी पर इस बार विशेष आकर्षण के रूप में सांस्कृतिक कार्यक्रमों, भजन संध्याओं और झांकियों की भी तैयारियां हो रही हैं। लोगों का मानना है कि गणपति बप्पा के आगमन से पूरे शहर का माहौल भक्तिमय और उल्लासपूर्ण हो जाता है।

साहित्य अकादमी से सम्मानित होंगे प्रवीण गुगनानी

बैतूल। साहित्य अकादमी, मप्र कल 25 अगस्त को भोपाल के रविंद्र भवन में अपना अलंकरण समारोह आयोजित करने जा रही है। इस समारोह में मुख्य अतिथि मप्र के संस्कृति मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी रहेंगे। साथ ही आईएएस अधिकारी, संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव शिवशेखर शुक्ला भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहेंगे। प्रसन्नता का विषय है। इस अलंकरण समारोह में बैतूल के लेखक, विचारक, स्तम्भकार एवं साहित्यकार प्रवीण दाताराम गुगनानी साहित्य अकादमी द्वारा अलंकृत एवं सम्मानित किये जाएंगे। ज्ञातव्य है कि प्रवीण दाताराम के काव्य संग्रह स्वप्न ही तो है कविता को साहित्य एकेडेमी द्वारा राष्ट्रीय स्तर के अटल बिहारी वाजपेयी सम्मान से सम्मानित किया जा रहा है। इस अलंकरण समारोह में प्रवीण को एक लाख की नगद राशि एवं ताम्र पत्र से सम्मानित किया जाएगा। सभी मित्रो, बन्धुओं एवं शुभचिंतकों ने इस उपलब्धि हेतु उन्हें हार्दिक बधाइयां प्रेषित की है।

सप्त नदियों के जल को लेकर कचहरी पिपल्या से निकलेगी भव्य चुनरी कलश यात्रा...

27 सितंबर को दिग्ठान वाली माता - मालवा की वैष्णो देवी को चुनरी अर्पित करेंगी मातृशक्ति एवं माता भक्त

धार। मालवा की वैष्णो देवी दिग्ठान वाली माता के भक्त धार जिले और प्रदेश ही नही वरन् देश भर में है। नवरात्रि पर माता रानी के प्रति आस्था और भक्ति देखते ही बनती है। कचहरी पिपल्या से निकलने वाली भव्य- दिव्य चुनरी कलश यात्रा हजारों मातृशक्तियों की दिव्य उपस्थिति से पुरे धार जिले में प्रसिद्ध है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी यह भव्य चुनरी कलश यात्रा 27 सितम्बर, शनिवार को कचहरी पिपल्या से मालवा की वैष्णो देवी दिग्ठान वाली माता के दरबार में सप्त नदियों के जल कलश लेकर मातृशक्ति माता रानी को चुनरी अर्पित करेगी। चुनरी कलश यात्रा की तैयारियों को लेकर आज 24 अगस्त को कचहरी पिपल्या में बैठक आयोजित की गई। यात्रा संयोजक - आयोजक समाजसेवी समंदर सिंह पटेल ने वरिष्ठ समाजसेवी - चुनरी कलश यात्रा के

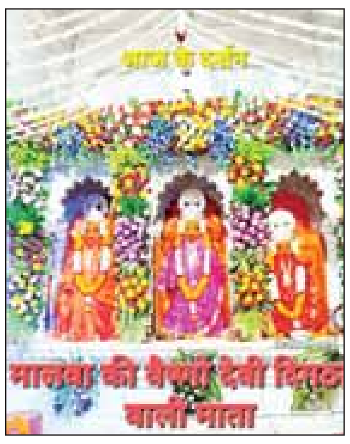

संरक्षक चंदनसिंह जी की गरिमामयी उपस्थिति में बताया कि इस वर्ष भी भव्य चुनरी कलश यात्रा आयोजित की जा रही है इस पावन यात्रा में देश की 7 पावन नदियों का विधि विधान से पूजन एवं आव्हान कर जल लाया जाएगा। इन पावन 7 नदियों का जल कलश में भर कर मालवा की वैष्णो देवी - दिग्ठान वाली माता जी के दरबार में मां को चुनरी अर्पित की जाएंगी। इस यात्रा में हजारों मातृशक्तियों और माता भक्तों की उपस्थिति से यह यात्रा संपूर्ण क्षेत्र में प्रसिद्ध है। बैठक में संरक्षक चंदनसिंह, वरिष्ठ पत्रकार राजेश शर्मा, सर्व ब्राह्मण समाज के कार्यकारी जिला अध्यक्ष धर्मेन्द्र जोशी, उपाध्यक्ष पंडित गोटू शुक्ला, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष कल्याण पटेल, विजय गोस्वामी दिग्ठान, कचहरी पिपल्या के सरपंच विक्रम सिंह पटेल सहित समाज जनों ने अपने विचार रखे।

इस अवसर पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष प्रतिनिधि हेमसिंह पटेल, माता मंदिर पुजारी पंडित जितेंद्र जोशी, समाजसेवी अशोक शास्त्री, रामप्रसाद रघुवंशी दरबार मनीष महाजन,अजय ठाकुर,आशीष परिहार, लखन देदला, दीपक शर्मा, गेंदालाल बमनका,लालू यादव, संजय पटेल, राजा ठाकुर एवं कचहरी पिपलियावासी एवं आसपास के क्षेत्र एवं कई गांवों से माता भक्त उपस्थित रहे। बैठक का संचालन वरिष्ठ पत्रकार राजेश शर्मा ने किया।

साइबर के क्षेत्र में सराहनीय स्टार्टअप किया है

देवास के युवा उद्यमी सार्थक दुबे ने

देवास। भारत की तेज़ी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था को मज़बूती देने के मिशन के साथ, साइबर रेज़िलिएंस स्टार्टअप मिटीगेटा एक ऐसा अनूठा प्लेटफ़ॉर्म लेकर आया है जो साइबर सुरक्षा और साइबर बीमा को एक साथ जोड़कर संगठनों को संपूर्ण सुरक्षा समाधान प्रदान करता है। देवास के युवा उद्यमी सार्थक दुबे, अपने तीन साथियों मोहित आनंद, मयंक मौर्य और अक्षित कौशिक – के साथ मिलकर 2023 में इस स्टार्टअप की शुरुआत की। मात्र दो वर्षों में, मिटीगेटा ने नेक्सस वेंचर पार्टनर्स, टाइटन कैपिटल और WEH वेंचर्स जैसे शीर्ष निवेशकों से 60 करोड़ रुपये का निवेश जुटा कर बाज़ार में अपनी मज़बूत पकड़ बना ली है। मिटीगेटा का फुल-स्टैक साइबर रेज़िलिएंस प्लेटफ़ॉर्म संगठनों को अटैक सरफ़ेस मॉनिटरिंग, थ्रेट

इंटेलिजेंस, डार्क वेब और ब्रांड मॉनिटरिंग, फ़िशिंग सिमुलेशन, गवर्नेंस रिस्क एवं कॉम्प्लायंस ऑटोमेशन, और इसके इन-हाउस RELIQ मॉडल के माध्यम से सटीक साइबर जोखिम मूल्यांकन जैसी अत्याधुनिक सेवाएं प्रदान करता है। इसके अलावा, कंपनी 24×7 SOC मॉनिटरिंग, वल्नरेबिलिटी असेसमेंट, पेनिट्रेशन टेस्टिंग, इंसिडेंट रिस्पॉन्स और डिजिटल फॉरेंसिक जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं में भी विशेषज्ञता रखती है। डिजिटल इंडिया के लिए पहली सुरक्षा पंक्ति के रूप में, मिटीगेटा का उद्देश्य भारतीय एंटरप्राइज़ेज, विनियमित संस्थानों और क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदाताओं को रियल-टाइम जोखिम डेटा के साथ बीमा कवरेज जोड़कर तेज़ प्रतिक्रिया और बेहतर क्लेम परिणाम सुनिश्चित करना है। इसकी साइबर बीमा सेवाएं HDFC ERGO, ICICI Lombard, टाटा AIG, बजाज आलियांज और न्यू इंडिया एश्योरेंस जैसे प्रमुख बीमाकर्ताओं के साथ साझेदारी पर आधारित हैं। आज, मिटीगेटा 25 से अधिक उद्योग क्षेत्रों के 500+ एंटरप्राइजेज को सेवाएं दे रहा है और भारत का पहला संपूर्ण साइबर रेज़िलिएंस प्लेटफ़ॉर्म बनने की दिशा में अग्रसर है।

कंपनी के सह-संस्थापक सार्थक दुबे और मोहित आनंद को हाल ही में फोर्ब्स एशिया पैसिफिक अंडर 30 - 2025 की प्रतिष्ठित सूची में शामिल किया गया है, जिसमें एशिया के 30 वर्ष से कम आयु के 30 सबसे प्रभावशाली युवा उद्यमियों और नवप्रवर्तकों को सम्मानित किया जाता है। सार्थक दुबे, स्व श्री प्रदीप कुमार दुबे और शासकीय सांदीपनि विद्यालय देवास की शिक्षिका श्रीमती दीक्षा दुबे के सुपुत्र है।

श्री महावीर जन्म वाचन का आयोजन हर्षोल्लास से मनाया

धार। श्री राजेंद्र भवन धार में श्री श्वेताम्बर जैन श्रीसंघ के सानिध्य में श्री महावीर जन्म वाचन का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास से सम्पन्न हुआ। माता त्रिशला के द्वारा देखे गए 14 स्वप्नों का सभी को दर्शन करवाया गया और उसके पश्चात चढ़ावे से स्वप्नों को झुलाया गया। माता लक्ष्मी जी सहित 13 स्वप्न को झुलाने का लाभ हेमंत कुमार अशोक कुमार मेहता परिवार द्वारा लिया गया। प्रभु की आकर्षक अंग रचना परिषद के बच्चों द्वारा किया गया। श्रीसंघ के अध्यक्ष प्रकाश बाफना, प्रकाश छाजेड़, प्रकाश डूंगरवाल, महेंद्र अम्बोर, विपिन लूनिया, सुधीर पावेचा, राजेंद्र डूंगरवाल, अनिल छाजेड़, महेंद्र धोका, कैलाश कंकरिया, शरद धोका आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मोहित तांतेड़ ने किया।

चिचोली नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष संतोष मालवीय का निधन

बैतूल। चिचोली नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष संतोष मालवीय का रविवार को नागपुर के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वे पिछले एक सप्ताह से अस्वस्थ चल रहे थे। 71 वर्षीय मालवीय का राजनीतिक सफर बेहद रोचक रहा है। वे नगर परिषद बनने से पहले चिचोली ग्राम पंचायत के सरपंच थे। उनके कार्यकाल में मध्य प्रदेश में पहली सीमेंट रोड का निर्माण चिचोली में ही हुआ था। इस उपलब्धि के लिए राज्य सरकार ने उन्हें सम्मानित भी किया था। चिचोली के प्रतिष्ठित मालवीय परिवार की भाजपा में मजबूत पकड़ रही है। उनकी पत्नी सुलोचना मालवीय नगर परिषद की अध्यक्ष रह चुकी हैं। वर्तमान में उनकी छोटी बहू वर्षा रितेश मालवीय नगर परिषद की अध्यक्ष हैं। उनके बेटे आशुतोष बाली मालवीय युवा भाजपा नेता हैं। श्री मालवीय चिचोली में विकास कार्यों के लिए जाने जाते थे। उन्होंने क्षेत्र में सर्वाधिक प्रधानमंत्री आवास दिलवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पिछले 13 वर्षों में 15 वार्डों में नल-जल योजना, तालाब सौंदर्यीकरण जैसे कई विकास कार्य करवाए। उनके बेटे रितेश मालवीय ने बताया कि सोमवार सुबह चिचोली के कोढ़र मोक्ष धाम में वैदिक रीति रिवाज से उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। निधन की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में लोग उनके आवास पर श्रद्धांजलि देने पहुंचे।

रानीपुर में युवक की हत्या का खुलासा, महिला ने शव छिपाने में की मदद, दोनों गिरफ्तार

नाबालिग ने कुल्हाड़ी से वार कर की थी हत्या

बैतूल। रानीपुर थाना क्षेत्र में 22 वर्षीय युवक की हत्या का मामला पुलिस ने सुलझा लिया गया है। पुलिस ने एक महिला और एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है। पुलिस जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार 6 अगस्त को पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम ओझाढाना निवासी अभिषेक पिता दिनेश उइके उम्र 22 वर्ष का शव अज्ञात अवस्था में नदी किनारे झाडियों में पड़ा हुआ है, जिसके सिर और चेहरे पर गहरे चोट के निशान थे। मृतक की पहचान उसके परिजनों द्वारा की गई। घटनास्थल निरीक्षण के दौरान मामला प्रथम दृष्ट्या हत्या का पाए जाने पर थाना रानीपुर में धारा 103(1), 61(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद किया गया। घटना की

गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक बैतूल द्वारा विशेष टीम गठित की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती कमला जोशी तथा एसडीओपी सारणी श्रीमती प्रियंका करचाम के निर्देशन में टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए तकनीकी विश्लेषण एवं गुप्त सूचना के आधार पर जाँच प्रारंभ की। जिला सीन ऑफ क्राइम मोबाइल यूनिट द्वारा घटनास्थल का सूक्ष्मता से निरीक्षण कर साक्ष्य संकलन की कार्रवाई की गई।

खेत की फसल चराई को लेकर चल रहा था विवाद ......

प्रारंभिक विवेचना के दौरान यह पाया गया कि मृतक व आरोपी बालक के बीच लंबे समय से खेत की फसल के चराई (खट) को लेकर विवाद चल रहा था। 05 अगस्त को जब आरोपी बालक ने मृतक को उसके खेत में रोककर बोला कि वह अब फसल नहीं चराएगा। इसी बात को लेकर दोनों में विवाद हुआ और आरोपी बालक ने मृतक के सिर व चेहरे पर कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी। इसके बाद श्यामवती पति धीरू धुर्वे के साथ मिलकर घटना को दुर्घटना दर्शाने के उद्देश्य से लाश को खींचकर देवना नदी किनारे झाडि़यों में छुपा दिया। प्राप्त साक्ष्यों एवं तकनीकी जानकारी के आधार पर आरोपी श्यामवती पति धीरु धुर्वे, उम्र 40 वर्ष, निवासी रातामाटी थाना रानीपुर और नाबालिग बालक को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया, जहाँ से उन्हें जेल भेज दिया गया है।

बरबतपुर रेलवे स्टेशन पर युवक-युवती के मिले शव, प्रेम प्रसंग का संदेह

बैतूल। जिले के शाहपुर कस्बे के बरबतपुर रेलवे स्टेशन पर बीती रात एक दर्दनाक हादसा घटित हुआ है, जिसमें युवक और युवती के कटे हुए शव रेलवे ट्रैक पर मिले हैं। यह घटना नागपुर-इटारसी डाउन ट्रैक पर हुई। सूचना मिलते ही टीआई मुकेश ठाकुर के साथ पुलिस बल व रेलवे पुलिस के अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और जांच प्रारंभ की। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक युवक की पहचान 20 वर्षीय शिवकुमार परते के रूप में हुई, जो शाहपुर थाना क्षेत्र के गौनापुर का निवासी है। वहीं, युवती की पहचान हरदा जिले से संबंध रखने वाली बताई जा रही है। दोनों शव रेलवे ट्रैक पर बुरी तरह क्षत-विक्षत स्थिति में पाए गए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि यह घटना बीती रात लगभग 2 बजे की है। टीआई मुकेश ठाकुर ने बताया कि इस घटना के पीछे के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस अभी यह जांच कर रही है कि मामला एक दुर्घटना है या आत्महत्या का। इसके लिए मृतकों के परिवार को बुलाया गया है ताकि उनकी उपस्थिति में शवों की पहचान की जा सके। शवों को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शाहपुर भेजा गया। पुलिस इस पूरे मामले की गंभीरता से पड़ताल कर रही है और घटना के संबंध में पूरे तर्क का विस्तृत अध्ययन किया जा रहा है। इस घटना से प्रेम प्रसंग के संदेह की बात को भी बल मिला है। टीआई मुकेश ठाकुर ने बताया कि पहले सभी पहलुओं पर गौर किया जाएगा और मृतकों के परिजनों से भी बात की जाएगी, ताकि घटना के सही कारणों की जानकारी प्राप्त हो सके।

बैतूल के अंबर वैद्य ने यूसीमास नेशनल प्रतियोगिता में जीता सेकेंड रनरअप का खिताब

बैतूल। बैतूल के होनहार छात्र अंबर वैद्य ने एक बार फिर अपने शानदार प्रदर्शन से पूरे बैतूल जिले के साथ-साथ अपने परिवार और प्रदेश का नाम रोशन किया है। हाल ही में हैदराबाद में आयोजित यूसीमास की 24वीं राष्ट्रीय प्रतियोगिता में अंबर ने पूरे भारत में सेकेंड रनरअप प्राप्त कर परचम लहराया। अंबर वैद्य बैतूल जिला अस्पताल में पदस्थ अखिलेश वैद्य के सुपुत्र हैं। अंबर की यह सफलता अचानक नहीं आई, बल्कि जनवरी से अगस्त तक उनकी निरंतर मेहनत, लगन और गणितीय कौशल ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचाया। जनवरी 2025 में आयोजित जिला स्तरीय यूसीमास प्रतियोगिता में अंबर ने चैम्पियन ऑफ चैम्पियन्स का खिताब हासिल किया। इसके बाद अप्रैल 2025 में इंदौर में आयोजित राज्य स्तरीय यूसीमास प्रतियोगिता में अंबर ने पूरे मध्यप्रदेश में चौथा स्थान प्राप्त किया था। लगातार तीन बड़ी प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अंबर वैद्य ने यह सिद्ध कर दिया कि लगन और समर्पण से कोई भी ऊँचाई हासिल की जा सकती है। हैदराबाद में 17 अगस्त को आयोजित राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता में देशभर के 291 प्रतिभागियों में से चयनित 30 बच्चों को ही फाइनल राउंड में भाग लेने का अवसर मिला था, जिनमें अंबर ने अपने गजब के गणनात्मक कौशल के दम पर तीसरा स्थान प्राप्त किया। हैदराबाद के एग्जिबिशन ग्राउंड में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में विजेताओं को ट्रॉफी, प्रमाण पत्र और पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर माता-पिता, शिक्षकगण और यूसीमास से जुड़े प्रशिक्षकों की उपस्थिति भी रही, जिन्होंने विद्यार्थियों को लगातार प्रोत्साहित किया। शैक्षणिक दृष्टि से यह सफलता बैतूल के लिए गौरव का विषय है। अंबर की इस उपलब्धि से जिले के अन्य छात्र भी प्रेरणा लेंगे। प्रतियोगिता का आयोजन बेहद भव्य और राष्ट्रीय स्तर की गरिमा के अनुरूप रहा, जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से आए 3500 से अधिक बच्चों ने भाग लिया था।

गाँव-गाँव पहुँचे राजस्व मंत्री श्री वर्मा, सुनी जनता की आवाज

राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने सीहोर एवं इछावर तहसील के अनेक ग्रामों में जनसुनवाई आयोजित कर सुनीं ग्रामवासियों की समस्याएं, निराकरण के दिए निर्देश

सीहोर (निप्र)। राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने सीहोर एवं इछावर तहसील के अंतर्गत आने वाले अनेक ग्रामों का दौरा कर जनसुनवाई आयोजित की। इस अवसर पर उन्होंने गाँव-गाँव पहुँचकर ग्रामीणों से सीधे संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं और त्वरित निराकरण के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने उपस्थित सभी ग्रामवासियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार का मुख्य उद्देश्य जनता की सेवा करना है और सरकार हर नागरिक की समस्या को अपनी समस्या मानकर त्वरित निराकरण के लिए संकल्पित है। राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि जनता हमारी शक्ति है और उनकी समस्याओं का समाधान करना ही हमारे लिए सबसे बड़ा धर्म है। सरकार जनता के द्वार तक पहुँच रही है, ताकि किसी को कार्यालयों के चक्कर न काटने पड़ें। अब अधिकारी और सेवाएँ खुद जनता तक पहुंचेंगी। उन्होंने ग्रामवासियों से कहा कि वे अपनी समस्याओं को खुलकर रखें और किसी भी प्रकार की हिचक महसूस न करें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि हर समस्या का समाधान निश्चित समय-सीमा में किया जाएगा।

ग्रामीणों की समस्याओं पर त्वरित निर्देश : जनसुनवाई के दौरान ग्रामवासियों ने अपनी समस्याएँ राजस्व मंत्री श्री वर्मा के समक्ष रखीं। इनमें मुख्य रूप से भूमि संबंधी विवाद, राजस्व अभिलेखों में गड़बड़ी, पेंशन, आवास, बिजली-पानी की सुविधा, सड़क निर्माण और शिक्षा से जुड़े मुद्दे प्रमुख थे। राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने सभी ग्रामवासियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि ग्रामवासियों को छोटे-छोटे कामों के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगवाए जाएं। प्रत्येक व्यक्ति को उसका हक़ समय पर मिले और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने ग्रामवासियों से संवाद करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार हर वर्ग के उत्थान के लिए सतत प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारा सपना है कि प्रदेश का प्रत्येक नागरिक सम्मानजनक जीवन जिए। विकास की किरणें अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। सरकार गाँव, गरीब, किसान और मजदूर की सरकार है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में विकास की नई गाथा लिखी जा रही है। आज सरकार योजनाओं को धरातल पर उतार रही है। हमने प्रण लिया है कि किसी भी नागरिक की समस्या अनसुनी नहीं होगी। उन्होंने नागरिकों से भी अपील करते हुए कहा कि वे अपना बिजली बिल एवं अन्य टैक्स समय पर जमा करें, ताकि सरकार की सभी योजनाओं का बेहतर संचालन किया जा सके।

प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभ: राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि शासन की योजनाएँ तभी सफल होंगी जब उनका लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि नागरिकों की समस्याओं के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी को जनता की सेवा में तत्पर रहना होगा। सरकार की नीतियाँ तभी सार्थक होंगी जब जनता उनमें विश्वास महसूस करे और उसका सीधा लाभ पाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी पात्र नागरिकों को सरकार की पीएम आवास योजना, लाड़ली लक्ष्मी, पीएम किसान सम्मान निधि, मातृवंदना योजना, राशन कार्ड, पेंशन सहित अन्य योजनाओं का लाभ दिलाया जाए।

ग्रामवासियों ने की सराहना

राजस्व मंत्री श्री वर्मा के दौरे की ग्रामवासियों ने सराहना की। ग्रामवासी श्रीमती गीता बाई, श्रीमती समरत बाई, श्री रामबगस, श्री खुपचन्द्र, श्री मनोहर, श्री द्वारका प्रसाद, श्री भागवत सिंह, श्री हरिनारायण सहित अनेक ग्रामवासियों ने राजस्व मंत्री श्री वर्मा की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि राजस्व मंत्री श्री वर्मा वास्तव में जनता की सरकार को जनता तक ले जाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गाँव के लोग कई समस्याओं को लेकर परेशान थे, लेकिन आज उन्हें विश्वास है कि उनकी आवाज़ सीधे सरकार तक पहुँची है और उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण भी होगा। राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने ग्राम चितावलिया हेमा, चितावलिया लाखा, चितावलिया जाट, नरसिंहखेड़ा, सिराड़ी, कुण्डीखाल, कोलूखेड़ी और रामगढ़ पहुंचकर जनसमस्याओं को सुना और त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

यह थे उपस्थित

राजस्व श्री वर्मा के साथ जनसुनवाई के दौरान श्री गौरव सन्नी महाजन, श्री पंकज गुप्ता, श्री तुलसी पटेल, श्री शंकर पटेल, जनपद सीईओ श्रीमती नमिता बघेल, सुश्री रूषाली पोरस, नायब तहसीलदार श्री अविनाश सोनानिया, श्री आकाश पंत, परियोजना अधिकारी श्रीमती प्रियंका दीवान श्री नीरज परमार, श्री लक्ष्मीनारायण वर्मा, श्री अर्जुन वर्मा, विवेक राय, सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

ग्राम बड़घाटी में डेंटल फ्लोरोसिस शिविर आयोजित

सीहोर (निप्र)। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आष्टा के ग्राम बड़घाटी के शासकीय माध्यमिक स्कूल में डेंटल फ्लोरोसिस कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में कुल 46 बच्चों एवं ग्रामवासियों की फ्लोरोसिस की स्क्रीनिंग की गई। स्क्रीनिंग के दौरान 12 डेंटल फ्लोरोसिस के मामले पाए गए। शिविर के दौरान डॉ रुचिरा उईके एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी उपस्थित थे।

प्राथमिक शाला भालदेही के शिक्षक को किया निलंबित

बैतूल (निप्र)। विकासखंड आमला के शासकीय प्राथमिक शाला भालदेही में पदस्थ सहायक शिक्षक श्री भरत सिंह रावत को कर्तव्यहीनता एवं अनुशासनहीन आचरण के आरोपों में निलंबित कर दिया गया है। कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी आमला से प्राप्त जानकारी के अनुसार श्री रावत के विरुद्ध प्राप्त शिकायतों की जांच में यह तथ्य सामने आया कि वे शाला में बिना सूचना अनुपस्थित रहते हैं। अध्यापन कार्य नहीं करते तथा शाला समय में मादक पदार्थों का सेवन कर अपने मित्रों के साथ विद्यालय आते थे। इससे विद्यालय के शैक्षणिक वातावरण में व्यवधान उत्पन्न हो रहा था। जांच में यह भी पाया गया कि 14 अगस्त 2025 को जनपद सदस्य श्री सुजित खंडाग्रे द्वारा शाला निरीक्षण के दौरान शिक्षक रावत नशे की हालत में उपस्थित थे तथा उन्होंने उनसे अभद्र व्यवहार किया। शिक्षा विभाग ने इस आचरण को मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 का उल्लंघन एवं गंभीर कदाचार मानते हुए, म.प्र. सिविल सेवा वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील नियम 1966 के तहत तत्काल प्रभाव से श्री रावत को निलंबित करने का आदेश जारी किया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय बैतूल निर्धारित किया गया है तथा उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा।

जिला पंचायत सीईओ ने की जल जीवन मिशन एवं नल जल प्रदाय योजनाओं के कार्यों की समीक्षा

सीहोर (निप्र)। जिला पंचायत सीईओ डॉ नेहा जैन ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक आयोजित कर पीएचई विभाग द्वारा संचालित जल जीवन मिशन कार्यक्रम एवं नल जल प्रदाय योजनाओं के कार्यों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने नल जल प्रदाय योजनाओं में संतोषजनक प्रगति नहीं पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त की और निर्देश संबंधित ठेकेदारों को निर्देश दिए कि कार्यों में प्रगति लाई जाए। बैठक में उन्होंने निर्देश दिए कि पीएचई द्वारा क्रियान्वित की जा रही सभी प्रगतिरत एकल नल जल प्रदाय योजनाओं के शेष कार्य शीघ्र पूर्ण किये जायें एवं पूर्ण योजनाओं में ट्राईलर्न प्रारम्भ होने की सूचना सरपंच, पंचायत सचिव एवं जनपद को दी जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन ग्रामों में पेयजल की समस्या है, वहां सहायक यंत्री एवं उपयंत्री रूट चार्ट तैयार करें और प्रतिदिन भ्रमण करे तथा प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण करें। इसके साथ ही उन्होंने संबंधित अधिकारियों को अन्य आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

सीएमएचओ ने आरबीएसके चिकित्सा दल की ली समीक्षा बैठक

बैतूल (निप्र)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कुमार हुरमाड़े ने गुरूवार को एएनएम प्रशिक्षण केन्द्र टिकारी बैतूल में आरबीएसके चिकित्सा दल, परामर्शदाता उमंग किशोर स्वास्थ्य केन्द्र एवं क्लीनिंकल साइकोलॉजिस्ट (मनकक्ष) की समीक्षा बैठक ली। बैठक में आरबीएसके मोबाइल स्वास्थ्या दल के द्वारा स्कूलों एवं आंगनवाड़ी में 0 से 18 वर्ष तक बच्चों की स्क्रीनिंग की समीक्षा कर शतप्रतिशत स्क्रीनिंग कार्य करने के निर्देश दिए। डॉ हुरमाड़े ने आरबीएसके स्वास्थ्य दल को जन्मजात विकृति, विकासात्मक विलम्ब एवं दिव्यांगता बीमारियां से ग्रसित बच्चों एवं संस्थागत प्रसव केन्द्रों पर जन्म लिये बच्चों का परीक्षण कर उनका उचित प्रबंधन किए जाने के निर्देश दिए। 16 सितम्बर 2025 तक चलाए जा रहे दस्तक अभियान में अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर दस्तक अभियान अंतर्गत संचालित गतिविधियों का मॉनीटरिंग करने के निर्देश दिये। सीएमएचओ डॉ हुरमाड़े ने उमंग किशोर स्वास्थ्य केन्द्र एवं मनकक्ष के परामर्शदाताओं को बेहतर सेवाऐं प्रदाय किये जाने निर्देशित किया। प्रशिक्षण में जिला स्वास्थ्य अधिकारी एवं जिला टीकाकरण अधिकारी द्वारा आरबीएसके स्वास्थ्य दल के विस्तृत कार्यो की समीक्षा की। प्रशिक्षण में आरबीएसके मैनेजर आदि उपस्थित रहे।

ओलिंजा गांव की महिला श्रीमती मोहर बाई की प्रेरणादायक यात्रा

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले की जनपद पंचायत ग्यारसपुर के ग्राम ओलिंजा में रहने वाली श्रीमती मोहर बाई के द्वारा आजीविका मिशन के माध्यम से स्व सहायता समूह मां कृपा एसएचजी अंतर्गत कृषि आधारित गतिविधियां एवं सब्जी उत्पादन कर उन्होंने स्वयं को आत्मनिर्भर बनाया है। कृषि आधारित गतिविधियां चलाकर आज उनकी वार्षिक आय ढाई लाख के करीब पहुंच गई है। महिला होकर भी कृषि आधारित गतिविधियां आयोजित कर स्वयं की वार्षिक आय 2 लाख से भी अधिक करने की यह प्रेरणादायी यात्रा उनकी सफलता को प्रदर्शित कर रही है। श्रीमती मोहर बाई का जीवन पहले कठिनाइयों से भरा हुआ था। उनके पास मात्र 2 बीघा भूमि थी, जिस पर उनके पति कृषि कार्य करते थे। मोहर बाई घर के कार्यों में व्यस्त रहने के कारण आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर नहीं थीं। परिवार की आय कम होने से घर का खर्चा पूरा नहीं हो पाता था। बच्चों को अच्छी शिक्षा, किताबें व अन्य ज़रूरी सामग्रियाँ उपलब्ध नहीं करा पाने से उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। गांव में उन्हें कोई विशेष पहचान भी नहीं थी। लेकिन जब से वे स्व-सहायता समूह (एसएचजी) से जुड़ीं, उनकी ज़िंदगी ने नई दिशा पकड़ ली। उन्हें कैश क्रेडिट लिमिट (सीसीएल) के माध्यम से 2 लाख का ऋण प्राप्त हुआ, जिससे उन्होंने गिरवी रखी ज़मीन छुड़ाई और अपनी मेहनत से एक पक्का मकान भी बनवाया। - मिशन से प्राप्त लाभ - प्रशिक्षण : कृषि सखी, वित्तीय साक्षरता, योजना सखी, लखपति दीदी और वित्तीय सहायता में आर एफ+सीआईएफ+सीसीएल+अन्य शासकीय योजनाएं (नरेगा, उद्यानिकी, कृषि) तथा लाभ की राशि : 3,000 +50,000+ 2,00,000 शिमिल है। (उद्यानिकी, फलदार वृक्षारोपण, कृषि + उन्नत बीज) परिवर्तन और आय में वृद्धि म.प्र. डे-राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन से कृषि सखी का प्रशिक्षण प्राप्त कर, उन्होंने अपने ग्राम ओलिंजा सहित अन्य गांवों में भी प्रशिक्षण दिया। अब वे 20,000 प्रतिमाह की आय अर्जित कर रही हैं।

अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर उत्सव मेला प्रदर्शनी का हुआ आयोजन

बैतूल (निप्र)। सहकारिता विभाग बैतूल द्वारा अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस पर 22 अगस्त को ग्राम साकादेही स्थित राज्य बीज सहकारी संघ वेयर हाऊस में उत्सव मेला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें बैतूल जिले में संचालित 91 बहुउद्देशीय सहकारी समिति एवं विपणन समिति के प्रबंधक व कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल रहे। अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के इस अवसर पर पौधरोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ सहकारिता विभाग बैतूल उपायुक्त कीर्ति कुमार शिव, सहायक संचालक कृषि अधिकारी बैतूल, कृषि वैज्ञानिक श्री तिवारी, सहायक यंत्री कृषि अभियांत्रिकी विभाग बैतूल श्री मीणा एवं क्षेत्रीय प्रबंधक इफको श्री सन्तोष रघुवंशी द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। तत्पश्चात कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों द्वारा सहकारिता एवं कृषि आधारित महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त सहकारिता विभाग बैतूल द्वारा समितियों के उत्थान के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई। सहायक संचालक कृषि विभाग बैतूल द्वारा सरकार की योजना को समिति के माध्यम से कृषकों तक सत प्रतिशत पहुंचाने पर बल दिया गया।

उन्नत कृषि एवं जैविक उर्वरक की दी जानकारी : कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि वैज्ञानिक श्री तिवारी ने उन्नत कृषि एवं जैविक उर्वरक की जानकारी साझा की। साथ ही उक्त कार्यक्रम में जिला विपणन अधिकारी बैतूल श्री ग्रेवाल, सहायक यंत्री कृषि अभियांत्रिकी विभाग श्री मीणा, क्षेत्रीय प्रबंधक इफको श्री संतोष रघुवंशी, जिला अधिकारी इफको श्री गौरव पाटीदार द्वारा अपने-अपने विभाग की जानकारियां समिति के कर्मचारी अधिकारियों से साझा की। कार्यक्रम में सहकारिता विभाग द्वारा मेला एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें समितियां द्वारा उत्पादित सामग्रियों के स्टॉल लगाए गए थे। कार्यक्रम में सहकारिता विभाग बैतूल के सीएल डोंगरे, सुरेश बरथे, मनोज खत्री, श्रीमती पूनम सिंह, राजेश वडयालकर, पीसी गवले, सोनम जूनानिया आदि उपस्थित थे।

विदिशा जिले में गिरदावरी का सत्यापन कार्य युद्ध गति से जारी

एसडीएम, तहसीलदार ने खेतों में पहुंचकर फसलों की जांच की

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले में गिरदावरी सत्यापन का कार्य युद्ध गति से जारी है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुपालन में एसडीएम व तहसीलदार खेतों में पहुंचकर सारा एप के माध्यम से गिरदावरी कार्यो का मौका मुआयना व सत्यापन कार्य कर रहे हैं। इसके साथ ही उक्त कार्यो की जानकारी सारा ऐप में भी दर्ज की जा रही है। बासौदा एसडीएम श्री विजय राय ने गिरदावरी के तहत सोयाबीन और मक्का की फसलो के खेतो में पहुंचकर सारा एप के माध्यम से वास्तविक गिरदावरी का सत्यापन करते हुए जानकारियां दर्ज की है। उन्होंने बताया कि ग्राम कंजना हलका नम्बर 39 में कृषक श्री प्रकाश दांगी का खसरा नम्बर 56 में सोयाबीन फसल का तथा भू-स्वामी श्री धन सिंह सिलावट खसरा नम्बर 27/4 में मक्का फसल की गिरदावरी की है। अधीक्षक भू-अभिलेख श्रीमती सविता पटेल ने बताया कि प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में आज संबंधित क्षेत्र के राजस्व अधिकारियों ने ग्राम पिपरिया में कृषक श्री अजय सिंह/ श्री नत्थू सिंह सर्वे नम्बर 236/0.418 गुलाबगंज तहसील श्रीमती पलक पिडिहा ने मक्के की फसल की गिरदावरी जांच की।

इसके अलावा आनंदपुर तहसील के ग्रामों में सोयाबीन फसल की जांच, ग्राम रसूलपुर में तहसीलदार श्री हेमंत अग्रवाल ने सोयाबीन फसल की जांच तथा पठारी तहसील के ग्राम कांकरखेड़ी और ग्राम पदम्याई में तहसीलदार श्री अभिषेक पांडे ने फसलों की गिरदावरी की जांच कर सारा एप पर दर्ज की गई है इसी प्रकार अन्य राजस्व अधिकारियों द्वारा भी गिरदावरी के सौंपे गए लक्ष्यों की पूर्ति हेतु खेतो में पहुंचकर गिरदावरी के कार्यो का सत्यापन किया जा रहा है। अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि वर्तमान में डिजिटल क्रॉप सर्वेक्षणध्फसल गिरदावरी का कार्य स्थानीय युवाओं एवं पटवारियों द्वारा एपपी सारा एप में पंजीकृत मोबाइल नंबर से लॉगिन कर पार्सल लेवल जियो फेंस (संबंधित खसरे की सीमा) में जाकर डाटा ऑनलाइन अपलोड कर किया जा रहा है।

गौशालाओं के आत्म निर्भरता की ओर बढ़ते कदम

विदिशा (निप्र)। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के द्वारा जिले की सभी शासकीय गौशालाओं को आत्म निर्भरता की ओर अग्रसर करने के लिए विशेष पहल की जा रही है जिसमें गौशालाओं में गौवंश के लिए चारा पानी, के साथ-साथ विद्युत व्यवस्थाओं की पूर्ति सुनिश्चित कराई गई है। वहीं गौशालाओ की मॉनिटरिंग के लिए नवाचारों का सहारा लिया जा रहा है। गौशालाओं में अब सीसीटीवी कैमरो से निगरानी की व्यवस्था क्रियान्वित की जा रही है । इसके लिए जिला पंचायत सीईओ द्वारा बाकायदा एक आदेश जारी कर गौशालाओं की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने हेतु ताकिद किया गया है ।निर्देशों के अनुपालन में श्री गोपाल गोशाला, ग्राम पंचायत मेहलुआ चैराहा में आज 8 सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए है।इस व्यवस्था के बाद संपूर्ण गौशाला को किसी भी स्थान से मोबाइल पर कनेक्ट कर देखा जा सकेगा। कैमरों से गोशाला में कार्यरत कर्मचारियों की गतिविधियों पर निगरानी, चोरी की रोकथाम एवं 24 घंटे सतत देखरेख संभव होगी। गौशाला समिति ने इस कदम को गौशाला प्रबंधन में पारदर्शिता एवं सुरक्षा की दिशा में मील का पत्थर बताया है। गोशाला समिति के सदस्यों का कहना है कि कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ के मार्गदर्शन में लिया गया यह निर्णय गोशाला की सुरक्षा व बेहतर संचालन हेतु अत्यंत सराहनीय है। हम इसके लिए हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।

मतदान केन्द्रों के युक्तियुक्तकरण के संबंध में जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में राजनैतिक दलों की बैठक सम्पन्न

रायसेन (निप्र)। जिले में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मप्र भोपाल के निर्देशानुसार मतदान केन्द्रों के युक्तियुक्तकरण के संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में राजनैतिक दलों की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों से चर्चा करते हुए बताया कि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मप्र भोपाल द्वारा मतदान केन्द्रों में मतदाताओं की संख्या 1500 से घटाकर 1200 किए जाने की पूर्व तैयारियों के साथ युक्तियुक्तकरण के संबंध में निर्धारित

अनुलग्नकों सहित प्रस्ताव चाहे गए हैं। जिसके परिपालन में जिले की चारों विधानसभा क्षेत्रों से जिन मतदान केन्द्रों में 1200 से अधिक मतदाताओं वाले मतदान केन्द्रों के नवीन मतदान केन्द्र के मतदाताओं को शिफ्ट करने, दो किमी से अधिक दूरी तय करने वाले मतदाताओं को, मतदाताओं की सुविधा अनुसार नवीन मतदान केन्द्र और जीर्ण-क्षीर्ण भवनों के भवन परिवर्तन के प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। बैठक में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को बताया गया कि उदयपुरा विधानसभा के तहत 1200 से अधिक मतदाता होने और दो किमी से अधिक दूरी होने से नवीन मतदान केन्द्रों की संख्या कुल 33 है तथा मतदाता शिफ्ट करने वाले मतदान केन्द्रों की संख्या 06 है और जीर्ण-क्षीर्ण भवन होने से एक मतदान केन्द्र का भवन परिवर्तन का प्रस्ताव है। इसी प्रकार भोजपुर विधानसभा में 1200 से अधिक मतदाता वाले मतदान केन्द्रों की संख्या कुल 35 है तथा जीर्ण-क्षीर्ण भवन होने से एक मतदान केन्द्र का भवन परिवर्तन का प्रस्ताव है। अनुभाग परिवर्तन के 10 मतदान केन्द्रों के प्रस्ताव हैं। सांची विधानसभा में 1200 से अधिक मतदाता वाले मतदान केन्द्रों की कुल संख्या 22 है। सिलवानी विधानसभा क्षेत्र में 1200 से अधिक मतदाता वाले मतदान केन्द्रों की कुल संख्या कुल 24 है तथा जीर्ण-क्षीर्ण भवन होने से दो मतदान केन्द्रों का भवन परिवर्तन का प्रस्ताव है। बैठक में उपस्थित राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों द्वारा इन प्रस्तावों पर सहमति व्यक्त की गई। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मनीष शर्मा तथा मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में समपरिवर्तन की कार्यवाही पूर्ण करने के दिए निर्देश

रायसेन (निप्र)। जिले में वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में समपरिवर्तन किए जाने की कार्यवाही की कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा शुक्रवार को समीक्षा की गई। उन्होंने डीएफओ श्रीमती प्रतिभा पटेल तथा राजस्व अधिकारियों को गैरतगंज तहसील के वनग्राम पटनीमानक चौक तथा वनग्राम सुआगढ़, सिलवानी तहसील के वनग्राम सिंगपुरी तथा गजिन्दर, सुल्तानपुर तहसील के वनग्राम सालेगढ़ और वनग्राम कोसमी तथा गौहरगंज तहसील में वनग्राम साजड़ी को राजस्व ग्राम में समपरिवर्तन किए जाने के लिए नियमानुसार निराकरण की कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया।

आदि कर्मयोगी अभियान से जिले के 554 जनजातीय बाहुल्य ग्रामों की बदलेगी तस्वीर

बैतूल (निप्र)। भारत सरकार जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार जिले में प्रारंभ किए गए आदि कर्मयोगी अभियान को लेकर शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में प्रेस वार्ता आयोजित की गई। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि जिले के जनजातीय बाहुल्य ग्रामों में सुशासन का प्रभावी सिस्टम लागू करने, इन क्षेत्रों में योजनाओं की सेचुरेशन, विकास कार्यों की जन आधारित प्लानिंग और समस्याओं का स्थानीय स्तर पर ही निराकरण किए जाने के लिए केंद्र सरकार द्वारा आदि कर्मयोगी अभियान शुरू किया गया है। जनजातीय क्षेत्रों में जनहितैषी योजनाओं और विकास कार्यो के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आदि कर्मयोगी अभियान केंद्र सरकार की अभिनव पहल है। इस अभियान से जिले के 554 जनजातीय बाहुल्य ग्रामों की तस्वीर बदलेगी। इस अभियान में राष्ट्रीय मिशन विशेष रूप से पीएम जनमन और धरती आबा योजना के माध्यम से जमीनी स्तर पर जनजातीय वर्ग में आमूलचूल परिवर्तन आएगा।

जिले के ग्रामों में आदि सेवा केंद्र होंगे स्थापित : कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने बताया कि आदि कर्मयोगी, आदि सहयोगी तथा आदि साथी के माध्यम से अभियान क्रियान्वित होगा। जिले के विभिन्न विकास संबंधी विभागों के जिला, ब्लॉक एवं पंचायत स्तरीय कर्मचारी आदि कर्मयोगी होंगे। इसी प्रकार ग्रामों के स्थानीय अध्यापक, चिकित्सक एवं युवा आदि सहयोगी कहलाएंगे जिनका चयन ग्रामीणों द्वारा किया जाएगा। इसी प्रकार क्षेत्रीय स्व सहायता समूह की महिलाएं जनजातीय वर्ग के बुजुर्ग एवं वालंटियर का आदि साथी के रूप में चयन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आदि कर्मयोगी अभियान के तहत 15 नवंबर 2025 तक जनजातीय बाहुल्य ग्रामों में योजनाओं का शत प्रतिशत सेचुरेशन, ग्रामीण स्तरीय विजन प्लान-2030 का निर्माण, योजनाओं की जानकारी एवं समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए आदि सेवा केन्द्र की स्थापना एवं इन क्षेत्रों में एक घंटे की साप्ताहिक जनसुनवाई किए जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि अभियान के क्रियान्वयन के लिए जिला स्तरीय नोडल अधिकारी सीईओ जिला पंचायत होंगे एवं समस्त सीईओ जनपद ब्लॉक स्तरीय नोडल अधिकारी रहेंगे एवं ग्राम पंचायत स्तर पर सचिव को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

प्रति सप्ताह अभियान की होगी नियमित समीक्षा: सीईओ श्री जैन : मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अक्षत जैन ने बताया कि जिला स्तर पर अभियान के क्रियान्वयन के लिए 7 जिला स्तरीय एवं प्रत्येक विकासखंड में 5 मास्टर ट्रेनर्स का चयन किया गया है। इसके अलावा अभियान में गैर सरकारी संगठन भी शामिल रहेंगे, जो फील्ड पर काम करेंगे। उन्होंने बताया कि जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स द्वारा राज्य स्तर पर आयोजित प्रशिक्षण में प्रशिक्षण प्राप्त किया गया है। उक्त मास्टर ट्रेनरों द्वारा 25 अगस्त से 28 अगस्त तक ब्लॉक स्तरीय मास्टर ट्रेनरों को प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके बाद ब्लॉक स्तरीय मास्टर ट्रेनर अपने अधीनस्थ को ट्रेनिंग देंगे।

बच्चे देश की धरोहर, इनकी प्रतिभाओं को संवारना हम सबका दायित्व : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने फूल माली समाज के राज्यस्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह में मेधावी विद्यार्थियों को किया सम्मानित

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बच्चे देश की अमूल्य धरोहर हैं। इनमें निहित असीमित प्रतिभाओं को निखारना और आगे बढ़ाना हम सबका दायित्व है। बच्चों और युवाओं की प्रतिभाएं ही देश को विकास पथ पर आगे ले जाती है। उन्होंने कहा कि बच्चे खूब पढ़े-लिखें और अपना भविष्य संवारें, सरकार हर घड़ी उनके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रायमरी कक्षा से लेकर उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को हमारी सरकार छात्रवृत्ति दे रही है। सबके रोजगार की व्यवस्था भी हम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम 1 लाख पदों पर भर्ती करने जा रहे हैं। अगले पांच साल में 2.50 लाख शासकीय पदों पर भर्ती करेंगे। पुलिस की भर्तियां भी जारी हैं। इस साल 7500 पदों पर भर्तियां निकाली हैं। पुलिस की भर्ती के लिए अलग से पुलिस भर्ती बोर्ड भी बनाया जा रहे हैं। अगले तीन साल में हर साल 7500 पदों पर भर्ती कर हम पुलिस विभाग के सभी रिक्त पदों की पूर्ति कर लेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को भोपाल स्थित हिन्दी भवन में फूल माली समाज के 16वें राज्यस्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समारोह में विभिन्न परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने और प्रावीण्य सूची में स्थान पाने वाले फूल माली समाज के प्रतिभाशाली एवं मेधावी विद्यार्थियों को मंच से प्रशस्ति-पत्र और सम्मान निधि देकर सम्मानित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि फूल-माली समाज के व्यवसाय को बढ़ाने के लिए हमारी सरकार पुष्प कलाकारी (फ्लॉवर डेकोरेशन) को बढ़ावा दे रही है। अभी हाल ही में

जन्माष्टमी में सरकार ने सभी श्री कृष्ण मंदिरों में पुष्प सज्जा के लिए आकर्षक पुरस्कार भी घोषित किए। उन्होंने कहा कि पुष्प और संस्कार दोनों एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। जिस तरह फूल सभी को प्रिय हैं, उसी प्रकार फूल-माली समाज भी सबका प्रिय है। खेती-किसानी और बागवानी का चोली-दामन का साथ है। किसान खेत में परिश्रम करता है और फूल माली समाज बागों में। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बागवानी संवर्धन के लिए भी राज्य सरकार अनेक कदम उठा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि फूल माली समाज ने अपने परिश्रम, लगन और कर्मठता से एक अलग पहचान बनाई है। समाज के बच्चों और युवाओं ने अपनी प्रतिभा से न केवल प्रदेश, बल्कि देश-विदेश में भी नाम रोशन किया है। ऐसे होनहारों का सम्मान करना वास्तव में हम सबके लिए गर्व की बात है। मुख्यमंत्री ने बच्चों और युवाओं को कड़ी मेहनत, लगन और ईमानदारी से अपने सपनों को पूरा करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि वे बड़ा करने का सपना देखें। सपने पूरा करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार हमेशा उनके साथ है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार समाज के बच्चों की पढ़ाई-लिखाई, स्वरोजगार, व्यवसाय के साथ पुष्प श्रृंगार कला को और अधिक संवर्धन पर ध्यान दे रही है। राज्य सरकार सबका साथ-सबका विकास के साथ-साथ सबका विश्वास-सबका प्रयास के मूल मंत्र पर काम कर रही है। विकास की धारा से किसी भी समाज को वंचित नहीं रहने दिया जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव का फूलमाली समाज के प्रतिनिधियों द्वारा पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समाज के मांग-पत्र पर उज्जैन में समाज के लिए धर्मशाला निर्माण के लिए सहायता राशि दिए जाने और समाज की राष्ट्रीय विभूतियों को भारत रत्न दिए जाने के लिए समर्थन की मांग की गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन में समाज की धर्मशाला के निर्माण के लिए हर संभव सहायता देने की बात कही।

स्वागत उद्बोधन में फूल माली समाज के प्रादेशिक पदाधिकारी श्री हरिनारायण माली ने बताया कि समाज का यह 16वां प्रतिभा सम्मान समारोह है। समाज की गतिविधियों के विस्तार के लिए सरकार का साथ चाहिए। समारोह में पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, विधायक श्री भगवान दास सबनानी, नगर निगम अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी, समाजसेवी श्री रविन्द्र यति, श्री जी.पी. माली, श्री हरिनारायण माली, श्री भगवान भाई माली, श्रीमती शांति, श्री गीता प्रसाद,श्री नरेन्द्र राहुल सहित समाज के अन्य पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में समाजजन एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

आंध्रप्रदेश की टीम ने देखा भोपाल का कचरा प्रबंधन

डोर-टू-डोर सिस्टम को सराहा; ट्रांसफर स्टेशन और भानपुर साइट पर भी पहुंची टीम

भोपाल (नप्र)। आंध्रप्रदेश के नगरीय निकायों के प्रतिनिधिमंडल ने भोपाल नगर निगम के कचरा प्रबंधन को देखा। डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण सिस्टम को सराहा तो कचरा ट्रांसफर स्टेशन और भानपुर साइट को भी देखा।

अपर आयुक्त देवेंद्र सिंह चौहान ने पावर पाइंट प्रेजेंटेशन के जरिए कचरा प्रबंधन के भोपाल मॉडल को विस्तार से समझाया। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने भोपाल में स्वच्छता के लिए किए जा रहे कार्य, नवाचार और कचरा प्रबंधन की सराहना भी की। प्रतिनिधिमंडल में मंगलागिरी ताड़ेपल्ली, एस. अलीम बाशा, के. अर्जुन राव, के. वेंकटेश्वर रेड्डी के अलावा वी. लक्ष्मी एवं सुश्री बिंदु आदि शामिल थे।

ये भी जाना

प्रतिनिधिमंडल ने शहर में संचालित डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन व्यवस्था के अलावा दाना-पानी गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन एवं यहां संचालित थर्माकोल, कोकोनट वेस्ट रिसाइकल हब, अन्ना नगर स्थित टेक्सटाइल रिकवरी प्लांट, भानपुर रिक्लेमेशन साइट आदि का अवलोकन किया। अपर आयुक्त चौहान ने पूरी जानकारी दी।

ब्यावरा-राजगढ़ हाईवे 25-26 अगस्त की रात रहेगा बंद

भोपाल (नप्र)। अगर आप 25-26 अगस्त की मध्यरात्रि राजस्थान जाने की योजना बना रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए बेहद जरूरी है। दरअसल, पश्चिम मध्य रेलवे द्वारा रामगंजमंडी-भोपाल नई बड़ी रेल लाइन परियोजना के तहत ब्यावरा शहर में नेशनल हाईवे-52 (एनएच-52) पर रेलवे ब्रिज लॉन्चिंग का काम किया जाएगा।

यह कार्य रात 12 बजे से सुबह 4 बजे तक होगा। इस दौरान ब्यावरा-राजगढ़ के बीच का मुख्य हाईवे ट्रैफिक रोक दिया जाएगा। यानी सीधे मार्ग से राजगढ़ और फिर राजस्थान की ओर जाना संभव नहीं होगा। यह जानकारी रेलवे द्वारा जारी की गई है।

ब्यावरा यातायात थाना प्रभारी देवनारायण पांडे ने बताया कि उत्तर प्रदेश और दिल्ली जाने वाले वाहनों को किसी तरह की दिक्कत नहीं होगी। लेकिन राजस्थान के जयपुर, जोधपुर, सवाई माधोपुर, अजमेर और कोटा जाने वाली बसों, भारी वाहनों और अन्य यात्री वाहनों को डायवर्ट रूट से होकर गुजरना पड़ेगा। वहीं रेलवे प्रशासन ने अपील की है कि रोड मार्ग से राजस्थान जाने वाले यात्री अपनी यात्रा योजना पहले से बना लें और बताए गए ऑप्शनल मार्ग का ही उपयोग करें, ताकि किसी तरह की परेशानी न हो।

यह रहेगा नया डायवर्जन

- ब्यावरा से निकलकर वाहन थाना नरसिंहगढ़ के पास बोड़ा जोड़ पहुंचेंगे।
- यहां से पचौर होते हुए खुजनेर निकलेंगे।
- खुजनेर से आगे बढ़कर राजगढ़ पहुंचेंगे।
- इसके बाद आसानी से झालावाड़ और राजस्थान के अन्य जिलों की ओर बढ़ सकेंगे।
- इंदौर-गुना जाने वालों के लिए भी बदलाव
- राजगढ़ से इंदौर जाने वाले वाहन खुजनेर मार्ग का इस्तेमाल करेंगे।
- गुना की ओर जाने वाले यात्री मनौहरथाना-बीना मार्ग से अपनी यात्रा जारी रख सकेंगे।

12 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा गिरी, युवक की दबकर मौत

बुरहानपुर (नप्र)। बुरहानपुर में 12 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा को ले जाते समय हादसा हो गया। सड़कों पर गड्ढों की वजह से प्रतिमा नीचे गिर गई। इसके नीचे दबने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे निजी अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना लालबाग रोड पर तुलसी मॉल के पास शनिवार रात करीब 9 बजे की है। मृतक की पहचान शशांक जोशी (26) के रूप में हुई। वह खंडवा का रहने वाला था। हाटकेश्वर गणेश मंडल के लोगों के साथ बुरहानपुर प्रतिमा लेने आया हुआ था। घटना से आहत शशांक के साथ आया युवक भी बेहोश हो गया। उसे भी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सड़क के गड्ढों को जिम्मेदार ठहराया

प्रतिमा सम्राट मौर्य आर्ट, लालबाग से नाई आवार खंडवा ले जाई जा रही थी। हादसे के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए। सीएसपी गौरव पाटिल के नेतृत्व में पुलिस पहुंची। हिंदू महासभा प्रवक्ता ओम आजाद ने प्रशासन को जिम्मेदार ठहराते हुए कमिश्नर और महापौर से शहर की सड़कों के गड्ढे भरने की मांग की। कांग्रेस ने नेता अजय सिंह रघुवंशी ने कहा- शहर में गड्ढे ही गड्ढे हैं। युवक साइड से चल रहा था। अन्य कोई घायल नहीं हुआ। शहर के गड्ढे भरे जाने चाहिए।

निजी अस्पताल में लोगों की भीड़ जमा हुई

हादसे की सूचना मिलने पर लोग, जनप्रतिनिधि निजी अस्पताल पहुंचे। एएसपी एएस कनेश, एडीएम वीर सिंह चौहान भी मौके पर पहूंचे। लोगों से चर्चा कर स्थिति को संभाला।

नर्मदा उफनी, डिंडौरी में घाट डूबे, रास्ते बंद

सतना में घरों में घुसा पानी, बाढ़ के हालात; श्योपुर में गर्भवती का बोट से रेस्क्यू

भोपाल (नप्र)। डिंडौरी में नर्मदा का जलस्तर बढ़ने से घाट डूब गए हैं। श्योपुर में पुलिस और एसडीईआरएफ की टीम ने रेस्क्यू कर गर्भवती महिला को अस्पताल पहुंचाया। चित्रकूट स्थित गुप्त गोदावरी में बाढ़ के हालात पैदा होने से गुफा बंद करा दी गई है। मानसून ट्रफ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) की वजह से मध्यप्रदेश में तेज बारिश का दौर जारी है। पिछले 24 घंटे के दौरान 32 से ज्यादा जिलों में बारिश का दौर रहा। सबसे ज्यादा सीधी में 6.7 इंच पानी गिरा।

सतना में 3.7 इंच, शिवपुरी में 2.6 इंच, दतिया में 2.1 इंच, उमरिया, मंडला और खजुराहो में 1.7, नौगांव में 1.5 इंच, रीवा में 1.4 इंच, जबलपुर-पचमढ़ी में 1.1 इंच, ग्वालियर और नर्मदापुरम में 1-1 इंच पानी गिर गया। इसके अलावा भोपाल, बैतूल, नरसिंहपुर, खंडवा, गुना, रतलाम, श्योपुर, रायसेन, टीकमगढ़, दमोह, सागर, उज्जैन, इंदौर, बालाघाट, छिंदवाड़ा, शाजापुर, सीहोर, विदिशा, राजगढ़, आगर-मालवा, देवास में भी बारिश का दौर बना रहा। मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि प्रदेश में अब तक औसत 34.2 इंच बारिश हो चुकी है। 2.8 इंच पानी और गिरते ही सीजन की बारिश का कोटा फुल हो जाएगा। गुना में औसत 52 इंच पानी गिर चुका है। वहीं, मंडला और अशोकनगर में आंकड़ा 50 इंच से ज्यादा है।

मंडला में महिष्मति घाट का रपटा पुल डूबा

मंडला जिले में पिछले 24 घंटों में 1.69 इंच बारिश दर्ज की गई है। घुघरी तहसील में सबसे अधिक 3 इंच वर्षा हुई। लगातार बारिश के कारण नर्मदा नदी का जलस्तर बढ़कर 437.13 मीटर तक पहुंच गया है। यह वार्निंग लेवल से ऊपर है। इसके चलते महिष्मती घाट का छोटा रपटा पुल जलमग्न हो गया है।

रायसेन में बारना डैम के 4 गेट खुले

रायसेन में बारिश से बारना डैम का जलस्तर बढ़ गया। रविवार तड़के डैम के चार गेट खोले गए। कैचमेंट एरिया में लगातार हो रही बारिश के कारण डेम का जलस्तर 348.09 मीटर तक पहुंच गया। इसके बाद 24 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया। रविवार सुबह 9:30 बजे तक पानी का बहाव नियंत्रित होने पर गेट बंद कर दिए गए। बता दें कि जिले में इस साल अब तक 1262 मिलीमीटर औसत बारिश दर्ज की गई है। यह पिछले साल की तुलना में 310.7 मिलीमीटर ज्यादा है। जिले की सामान्य औसत बारिश 1197.1 मिलीमीटर है। 1 जून से 24 अगस्त तक उदयपुरा में सबसे अधिक 1770.7 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। बरेली में 1370.2, बेगमगंज में 1342.7, सिलवानी में 1326.8, बाड़ी में 1219, देवरी में 1258.1, सुल्तानपुर में 1147.5, गैरतगंज में 1128.2, रायसेन में 1042 और गौहरगंज में 1014.5 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। प्रशासन ने निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की अपील की है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त करने ऐतिहासिक निर्णयों और जनहितैषी पहलों का करेंगे शुभारंभ

श्योपुर और सिंगरौली के नवीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों का करेंगे लोकार्पण

भोपाल(नप्र)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा 25 अगस्त को जबलपुर के नेताजी सुभाष चंद्र बोस सांस्कृतिक सूचना केन्द्र में मध्यप्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा देने वाले ऐतिहासिक निर्णयों और जनहितैषी पहल का शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे।

कार्यक्रम में श्योपुर और सिंगरौली में नवीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों का लोकार्पण होगा। साथ ही धार, बैतूल, पन्ना और कटनी जिलों में पीपीपी मॉडल पर चिकित्सा महाविद्यालयों की स्थापना के लिए अनुबंधों पर हस्ताक्षर होंगे। वरिष्ठ नागरिकों के लिए वय वंदना कार्ड वितरण, मातृ-शिशु सुरक्षा को सुदृढ़ करने वाली योजनाएँ और डिजिटल नवाचार के रूप में स्मार्ट चैटबॉट का शुभारंभ किया जाएगा। इन पहलों से प्रदेश में चिकित्सा अधोसंरचना, जनस्वास्थ्य सुरक्षा और तकनीक आधारित सेवाओं का व्यापक विस्तार होगा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्यमंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों को 8 लाख वय वंदना कार्ड का वितरण किया जाएगा। प्रदेश में तकनीकी सशक्तिकरण का नया अध्याय जोड़ते हुए स्मार्ट चैटबॉट (आयुष्मान एवं सखी) का शुभारंभ होगा। यह चैटबॉट आमजन को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और परामर्श प्राप्त करने का आसान माध्यम बनेगा। इसके अतिरिक्त आशा कार्यकर्ताओं से संवाद कर स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी मजबूती को सुदृढ़ किया जाएगा। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए मातृ शिशु सुरक्षा कार्ड का वितरण भी किया जाएगा।

भोपाल वालों मैं तुम्हें भूल जाऊं ये हो नहीं सकता

मटकी फोड़ महोत्सव में सुनील शेट्टी ने बोला डायलॉग, सीएम ने गाया- गोविंदा आला रे...

भोपाल (नप्र)। भोपाल वालों मैं तुम्हें भूल जाऊं.. यह हो नहीं सकता.. और तुम मुझे भुला दो.. ये मैं होने नहीं दूंगा।... भोपाल में मंच से एक्टर सुनील शेट्टी ने जब ये डायलॉग बोला तो पूरा माहौल तालियों से गूंज उठा।

फिल्म अभिनेता सुनील शेट्टी राजधानी के करोंद चौराहे पर आयोजित मटकी फोड़ प्रतियोगिता में शामिल हुए। उन्होंने कहा- एमपी तो मेरा आना होता ही है। मैं यहां हर साल फॉरेस्ट देखने आता रहा हूं। सीएम साहब को मुबारकबाद देना चाहता हूं, इतना प्यारा स्टेट, जो देश के दिल में बसा है। इसके अलावा मैं महाकाल के दर्शन के लिए भी आता हूं।

सुनील शेट्टी ने अपना लोकप्रिय डायलॉग अन्ना 24 घंटे चौकन्ना और यह धरती मेरी मां है भी बोला। साथ ही भारत माता की जय के नारे भी लगवाए।

इस कार्यक्रम में सीएम डॉ. मोहन यादव भी मौजूद रहे। उन्होंने इंडियन आइडल फेम गायक सवाई भट्ट के साथ गोविंदा आला रे..., छोटी-छोटी गैया, छोटे-छोटे ग्वाल, छोटो सो मेरो मदन गोपाल.. भजन गाए।

कर्बला टीम ने फोड़ी मटकी, एक लाख का इनाम जीता- श्री कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव समिति के अध्यक्ष और भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष सुमित पचौरी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में हर साल प्रदेशभर से कई जिलों की टीमें भाग लेती हैं। बड़ी संख्या में युवाओं की टोली मटकी फोड़ने के लिए जुटती हैं। इस बार भी दर्जनों टीमें प्रतियोगिता में शामिल हुई हैं।

सेना के जवान के ऊपर से गुजर गईं 3 ट्रेन

नर्मदापुरम में चलती ट्रेन से गिरा; पटरियों के बीच बेहोश मिला, भोपाल में कराया भर्ती

नर्मदापुरम (नप्र)। नर्मदापुरम में सेना का जवान चलती ट्रेन से नीचे गिर गया। उसके ऊपर से 3 ट्रेनें गुजर गईं। रात में गश्त कर रहे गैंगमेन और कर्मचारियों ने उन्हें ट्रैक पर बेहोश हालत में देखा और अफसरों को सूचना दी।

घटना शुक्रवार-शनिवार देर रात 2 बजे की है। देहरादून के रहने वाले भूपेंद्र (41) पिता सोहनवीर नासिक से जबलपुर आ रहे थे। इटारसी और सोहागपुर के बीच गुरमखेड़ी में यह हादसा हो गया।

दूसरी ट्रेन से जवान को सोहागपुर लाया- अफसरों की सूचना पर 108 एम्बुलेंस के ईएमटी भंवर सिंह मंडरे और पायलट ललित यादव मौके पर पहुंचे। रेलवे लाइन पर रास्ता न होने के कारण दोनों ने पैदल जाकर घायल जवान को ट्रैक से उठाया। दूसरी ट्रेन रुकवाकर सोहागपुर रेलवे स्टेशन लाया गया।

प्राथमिक इलाज के बाद भोपाल रेफर- नर्मदापुरम जिला चिकित्सालय में प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें भोपाल मिलिट्री हॉस्पिटल रेफर कर दिया गया। हादसे की जानकारी मिलते ही

सर्वोपरि कल्याण समिति के सदस्य नीलम पटेल, किशोर धड़ौरे और सुनील बर्दिया तत्काल अस्पताल पहुंचे। घायल जवान को भोपाल मिलिट्री अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने उनकी हालत खतरे से बाहर बताई है।

रिटायर्ड डीएसपी को परिवार ने रस्सी से बांधकर घसीटा

एक बेटा सीने पर बैठा, दूसरे ने पैर खींचा; पत्नी ने छीना एटीएम-मोबाइल, फिर भाग निकले

शिवपुरी (नप्र)। शिवपुरी में पत्नी-बेटों ने रिटायर्ड डीएसपी से मारपीट की। उनके पैर रस्सी से बांधे, घसीटा। एक बेटा उनके सीने पर बैठ गया, दूसरे ने पैर पकड़कर खींचे।

शोर-शराबा सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे तो पत्नी-बेटे, रिटायर्ड डीएसपी का एटीएम कार्ड और मोबाइल छीनकर भाग निकले। मामला जिले के भौंती थाना इलाके में चंदावनी गांव का है। 62 साल के प्रतिपाल सिंह यादव बीती 31 मार्च को श्योपुर जिले में महिला सेल के डीएसपी पद से रिटायर हुए थे। उन्होंने थाना प्रभारी को आवेदन देकर मोबाइल और एटीएम वापस दिलाने की मांग की है। घटना का वीडियो भी सामने आया है।

15 साल से परिवार से अलग रह रहे- प्रतिपाल सिंह ने बताया कि वे पत्नी-बच्चों से 15 साल से अलग रह रहे हैं। पत्नी झांसी में दोनों बेटों के साथ रहती है। बेटी गोरखपुर में रहकर एमबीबीएस की पढ़ाई कर रही है।

उन्होंने कहा- 20 अगस्त को पत्नी माया यादव, बेटों आकाश और आभास के साथ गांव आई थी। उन्होंने रिटायरमेंट के बाद मिले पैसों की मांग की। मैंने सवाल किया तो तीनों ने झांसी चलने की बात कही। मैंने इनकार कर दिया तो जबरन झांसी ले जाने की कोशिश करने लगे। बेटों ने पकड़ा और पत्नी ने मोबाइल और एटीएम निकाल लिए। इसी बीच पड़ोसी बीच-बचाव कराने आ गए तो तीनों भाग निकले।

बेटों पर एफआईआर नहीं कराना चाहते- प्रतिपाल का कहना है कि वे अपने बेटों का भविष्य खराब नहीं करना चाहते, इसलिए एफआईआर दर्ज नहीं कराई। उन्होंने बताया कि बड़े बेटे को 5 लाख और छोटे बेटे को 15 लाख रुपए देने का वादा किया था। बेटी की शादी करनी है इसलिए वे इस विवाद को और नहीं बढ़ाना चाहते।

प्रतिपाल सिंह यादव को रिटायरमेंट पर ईपीएफ के 20 लाख रुपए मिले हैं। बाकी ग्रेच्युटी और दूसरी मदों के 33 लाख रुपए और मिलना बाकी हैं।